E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

12th ANNIVERSARY

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 58 | प्रयागराज, शुक्रवार 08 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

दावा- सऊदी ने अमेरिका को एयरस्पेस देने से किया मना,प्रिंस की नाराजगी के बाद ट्रम्प ने होर्मुज से जहाजों का रेस्क्यू रोका

तेहरान। अमेरिका ने 4 मई को होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही शुरू करने के लिए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' शुरू किया था। हालांकि एक दिन बाद ही ट्रम्प ने इसे रोकने का आदेश दिया। तब ट्रम्प ने कहा था कि पाकिस्तान के कहने पर उन्होंने यह ऑपरेशन रोका है। हालांकि अब यह दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब की वजह से अमेरिका को यह कदम उठाना पड़ा। एनबीसी न्यूज के मुताबिक सऊदी अरब ने इस मिशन में शामिल अमेरिकी विमानों को अपने एयरस्पेस और एयरबेस के इस्तेमाल की इजाजत देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प ने अचानक सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का ऐलान कर दिया था। इससे खाड़ी के सहयोगी देश चौंक गए। सऊदी लीडरशिप इससे नाराज हो गया। ट्रम्प ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत भी की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। अमेरिका 2 दिन में सिर्फ 3 जहाज पार करा पाया और आखिरकार ट्रम्प को यह ऑपरेशन रोकना पड़ा। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- अमेरिका-ईरान समझौता आगे बढ़ाः रिपोटर्स के मुताबिक दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला समझौता (एमओयू) तैयार है।

हालांकि अभी यह फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत पहले से ज्यादा आगे बढ़ चुकी है। अमेरिका ने यूएनएससी में प्रस्ताव पेश कियाः अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बहाल कराने के लिए यूएनएससी में नया प्रस्ताव पेश किया है। दूसरी तरफ ईरान ने सदस्य देशों से इस प्रस्ताव को खारिज करने की अपील की। चीन-ईरान के बीच बैठकः चीन और ईरान के बीच बीजिंग में हाई-लेवल बैठक हुई। चीन ने युद्ध तुरंत रोकने की बात कही और ईरान को समर्थन का भरोसा दिया। वहीं ईरान चाहता है कि ट्रम्प की चीन यात्रा के दौरान बीजिंग अमेरिका के दबाव में कोई ऐसा फैसला न ले जिससे तेहरान को नुकसान हो। ट्रम्प बोले- स्थिति कंट्रोल में हैः ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान की नौसेना, वायुसेना, मिसाइल सिस्टम और रडार नेटवर्क को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थिति हमारे कंट्रोल में है और अगर समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका पहले से बड़े हमले करेगा। होर्मुज में फ्रांसीसी जहाज पर हमलाः फ्रांस की शिपिंग कंपनी सीएमए सीजीएम ने बताया कि उसके एक कार्गो जहाज पर मिसाइल या ड्रोन से हमला हुआ, जिसमें कुछ क्रू मेंबर घायल हो गए। दोहा इंस्टीट्यूट फॉर ग्रेजुएट स्टडीज के प्रोफेसर मोहम्मद एलमासरी का कहना है कि अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने के लिए अगर ईरान कोई समझौता करता है, तो उसमें लेबनान का मुद्दा भी शामिल हो सकता है। हालांकि, यह अब भी बड़ा सवाल बना हुआ है। अल जजीरा से बातचीत में एलमासरी ने कहा कि उनके हिसाब से ईरान ऐसा समझौता चाहता है, जिसमें अमेरिका और उसका सहयोगी इजराइल दोनों यह वादा करें कि वे हमला नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इजराइल के 'ग्रेटर इजराइल' विस्तारवादी एजेंडे में लितानी नदी के दक्षिण में लेबनान के कुछ इलाकों पर कब्जा करना भी शामिल है। एलमासरी के मुताबिक, ईरान इसे आसानी से स्वीकार नहीं करेगा। अगर ऐसा हुआ तो इसे बड़े मकसद और अपने अहम सहयोगी हिजबुल्लाह को छोड़ने के तौर पर देखा जाएगा, जिसने हर मुश्किल समय में ईरान का साथ दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इजराइल लगातार शांति की कोशिशों को कमजोर कर रहा है। उनके मुताबिक, जब भी बातचीत में कोई बड़ी प्रगति होती है उसी समय इजराइल की तरफ से बेरूत पर बड़े हमले जैसे कदम उठाए जाते हैं।

कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्टा,अक्टूबर में वोटिंग संभव

ओटावा। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराया जा सकता है। अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी। आंदोलन के नेता मिच सिलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है। हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। चुनाव आयोग को पहले इन हस्ताक्षरों की जांच करनी होगी। इस प्रक्रिया पर फिलहाल अदालत के आदेश की वजह से रोक भी लगी हुई है। अगर वोटिंग अल्बर्टा के पक्ष में गई तो यह प्रांत कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है। अल जजीरा के मुताबिक, अगर सभी कानूनी अड़चनें दूर हो जाती हैं, तो प्रांत में 19 अक्टूबर को प्रस्तावित बड़े जनमत संग्रह के साथ अलगाव पर भी वोटिंग कराई जा सकती है। उसी दिन संविधान और इमिग्रेशन जैसे दूसरे मुद्दों पर भी मतदान की योजना है। सर्वे में 30फीसदी लोग ही अलग देश के पक्ष में- अगर यह प्रस्ताव वोटिंग तक पहुंचता है, तो लोगों से सीधा सवाल पूछा जाएगा कि क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बनना चाहिए। लेकिन सर्वे बताते हैं कि अभी सिर्फ करीब 30 प्रतिशत लोग ही इसके समर्थन में हैं, यानी जनमत संग्रह पास होना भी आसान नहीं है। हालांकि अलगाववादियों का मानना है कि यह आंकड़ा वोटिंग के दौरान बढ़ने वाला है। अल्बर्टा की प्रीमियर डेनिएल स्मिथ ने कहा है कि अगर जरूरी हस्ताक्षर पूरे होते हैं तो वह वोटिंग आगे बढ़ाएंगी, लेकिन वह खुद कनाडा से अलग होने के पक्ष में नहीं हैं। इस अलगाववादी आंदोलन की जड़ें काफी पुरानी हैं। अल्बर्टा, जहां करीब 50 लाख लोग रहते हैं, लंबे समय से खुद को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग मानता है। यहां के लोग मानते हैं कि उनकी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति अलग है, लेकिन फैसले ओटावा में बैठकर लिए जाते हैं। कनाडा से अलग क्यों होना चाहता है अल्बर्टा-कनाडा के अल्बर्टा में अलग देश बनने की मांग अचानक नहीं उठी है। इसके पीछे कई सालों से चल रही नाराजगी और अलग पहचान की भावना काम कर रही है। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है। अल्बर्टा तेल और गैस से भरपूर राज्य है। यहां कनाडा के कुल तेल उत्पादन का लगभग 84ह हिस्सा निकलता है। यहां के लोगों को लगता है कि वे ज्यादा कमाते हैं, लेकिन फायदा बाकी कनाडा को ज्यादा मिलता है। उन्हें शिकायत है कि टैक्स का पैसा ओटावा जाकर खर्च होता है, जबकि फैसले लेते समय उनकी आवाज कम सुनी जाती है। दूसरा बड़ा मुद्दा केंद्र सरकार से टकराव है। ओटावा में बैठी सरकार के फैसलों को लेकर अल्बर्टा में नाराजगी रहती है। खासकर पर्यावरण और जलवायु से जुड़े नियमों को लेकर। यहां के लोग मानते हैं कि ये नियम उनके तेल और गैस उद्योग को नुकसान पहुंचाते हैं और बिना समझे बनाए जाते हैं। तीसरा कारण पहचान और राजनीति है। अल्बर्टा को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग माना जाता है। यहां की राजनीति ज्यादा कंजर्वेटिव (रूढ़िवादी) है, जबकि केंद्र में लंबे समय से लिबरल विचारधारा हावी रही है। इसके अलावा यहां यह भी भावना है कि केंद्र सरकार उनके संसाधनों पर ज्यादा नियंत्रण रखती है। पाइपलाइन, ऊर्जा परियोजनाएं और निर्यात जैसे मुद्दों पर कई बार फैसले अटकते हैं, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता है। ट्रम्प सरकार पर अलगाववादियों को बढ़ावा देने का आरोप-इसी बीच ट्रम्प सरकार पर अलग देश की मांग कर रहे लोगों को बढ़ावा देने का आरोप है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका के अधिकारी अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिलते हैं और उनकी मदद करते हैं। इन खबरों से कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी नाराज हो गए थे। उन्होंने इसी साल फरवरी में राष्ट्रपति ट्रम्प को फोन कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा था। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी सरकार कनाडा के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देगी। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प की सत्ता में वापसी को अलगाववादी अल्बर्टा को अलग करने के लिए सही समय मान रहे हैं। कुछ अलगाववादी अल्बर्टा को स्वतंत्र देश बनाने की बजाय अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात भी कर रहे हैं।

ईरान के विदेश मंत्री ब्रिक्स के लिए भारत आ सकते हैं, 14-15 मई को होगी बैठक

ईरान। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान के विदेश

मंत्री अब्बास अराघची इस महीने भारत आ सकते है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक वे 14-15 मई को नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान चाहता है कि भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने में रचनात्मक भूमिका निभाए। अगर यह दौरा होता है तो क्षेत्रीय संघर्ष शुरू होने के बाद यह अराघची की पहली भारत यात्रा होगी।मार्च में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत के दौरान भी अराघची ने ब्रिक्स की भूमिका का मुद्दा उठाया था। ईरानी सरकार के मुताबिक उन्होंने कहा था कि मौजूदा हालात में ब्रिक्स जैसे मंच क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत मई में ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता कर रहा है और नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी में है। ऐसे में ईरान का भारत के साथ बढ़ता संपर्क भू-राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है।

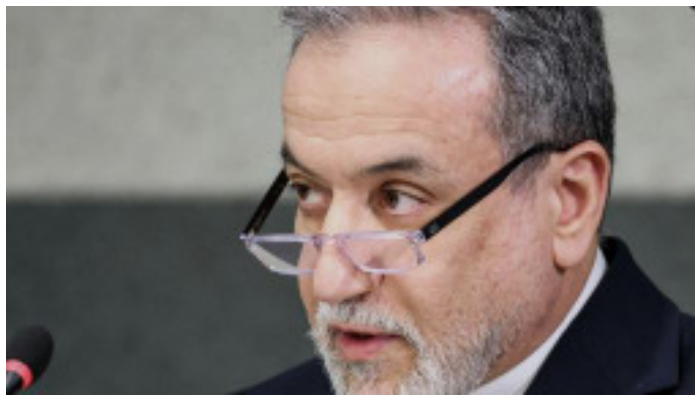

सेना बोली- ऑपरेशन सिंदूर में 100 से अधिक पाकिस्तानी जवान मारे गए,ऑपरेशन अभी भी जारी, पहलगाम जैसा हमला दोबारा नहीं होने देंगे

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना

सुरक्षित नहीं है। यह अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। जयपुर में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेना ने बताया, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 100 से ज्यादा जवानों और टेररिस्ट कैंप में 100 से ज्यादा आतंकियों की मौत हुई है। सेना ने कहा-'पहलगाम हमले में मारे गए हमारे भाई-बहनों को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसा हमला दोबारा न हो। हमारा ऑब्जेक्टिव क्लियर था और ऑपरेशन के लिए पूरी छूट दी गई थी।' प्रेस कॉन्फ्रेंस में लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए मिनवाला, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, एयर मार्शल अवधेश कुमार और वाइस एडमिरल ए एन प्रमोद सहित सेना के कई अधिकारी मौजूद रहे। डीजीएमओ बोले- सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं- डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन और डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ राजीव घई ने कहा-'ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि 'आत्मनिर्भर' केवल एक नारा नहीं है, बल्कि वास्तव में हमारी शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाला है। आज हमारे 65फीसदी से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही बनाए जा रहे हैं। सेना उन्हीं हथियारों का उपयोग कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, अभी तो शुरुआत है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना अब सुरक्षित नहीं है। घई ने दुष्यंत कुमार के शेर सुनाए। कहा- सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। भारत अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर कदम उठाएगा।7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7 लक्ष्यों को भारतीय सेना और 2 को भारतीय वायु सेना ने निशाना बनाया था। पाकिस्तान के 100 से ज्यादा जवानों और टेररिस्ट कैंप में 100 से ज्यादा आतंकियों की मौत हुई है। कड़ी मार खाने के बाद विरोधी पक्ष को समझ आई और उन्होंने संघर्ष विराम की मांग की। जब यह अनुरोध आया, तब हमने कार्रवाई रोकी। हम पीछे हटे, लेकिन हमने कमजोरी नहीं दिखाई। हम अपना संदेश दे चुके थे और वह संदेश बिल्कुल स्पष्ट था कि किसी भी दुस्साहस का जवाब दिया जाएगा और आतंकवादी गतिविधियों की कीमत चुकानी पड़ेगी।

चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा,भ्रष्टाचार मामले में वेई फेंघे और ली शांगफू दोषी करार, पूरी प्रॉपर्टी भी जब्त

बीजिंग। चीन ने भ्रष्टाचार के मामलों में दो पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और वेई फेंगहे को मौत की सजा सुनाई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, दोनों को पहले 2 साल जेल में रखा जाएगा। अगर वह दो साल तक कोई नया अपराध नहीं करता तो सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है।

ली शांगफू को पिछले साल अचानक पद से हटाया गया था, जबकि वेई फेंगहे भी सैन्य भ्रष्टाचार जांच के दायरे में आए थे। जिसके बाद दोनों को 2024 में चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित किया गया था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में चीन की सेना और रक्षा से जुड़े के कई वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को पिछले साल अक्टूबर में अचानक पद से हटा दिया गया था। वे करीब दो महीने तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे, जिससे कई तरह की अटकलें शुरू हो गई थीं। अब पहली बार चीनी अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच चल रही थी। सीसीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक सैन्य अनुशासन जांच एजेंसी ने पाया कि ली ने गंभीर रूप से पार्टी अनुशासन और कानून का उल्लंघन' किया। उन पर बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने, दूसरों को रिश्वत देने और पद का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि ली की गतिविधियों से सेना के हथियार डेवलपमेंट और मिलिट्री इक्विपमेंट की इमेज को भारी नुकसान पहुंचा। पूर्व रक्षा मंत्री वेई फेंगहे पर भी कार्रवाई-चीन के पूर्व रक्षा मंत्री वेई फेंगहे पर रिश्वत लेने और अपने पद का गलत इस्तेमाल करने के आरोप लगाए गए हैं। चीन की सैन्य अदालत ने उन्हें भ्रष्टाचार का दोषी माना है। जांच में सामने आया कि वेई फेंगहे ने रक्षा मंत्रालय और सेना से जुड़े फैसलों में फायदा पहुंचाने के बदले कथित तौर पर रिश्वत ली थी। वेई फेंगहे चीन के सीनियर सैन्य अधिकारियों में गिने जाते थे। वे चीन के पूर्व रक्षा मंत्री होने के साथ चीनी सेना में रॉकेट फोर्स के कमांडर भी रह चुके हैं। रॉकेट फोर्स चीन की मिसाइल और परमाणु हथियार सिस्टम को संभालती है।

बंगाल में भाजपा सरकार,बांग्लादेश को लोगों की वापसी का डर,बांग्लादेशी मंत्री बोले- उम्मीद है जबरन नहीं भेजा जाएगा

ढाका। पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद बांग्लादेश सरकार को आशंका है कि लोगों को जबरन भारत से निकाला जा सकता है। अब इसे लेकर बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा उम्मीद है कि भारत से लोगों को जबरन सीमा पार भेजने यानी 'पुशबैक' की घटनाएं नहीं बढ़ेंगी। सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि वे नहीं चाहते कि किसी को अवैध प्रवासी बताकर भारत से बांग्लादेश की तरफ धकेला जाए। इसी के मद्देनजर बांग्लादेश की बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। इससे पहले बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने भी कहा था कि अगर ऐसे मामले होते हैं, तो बांग्लादेश कार्रवाई करेगा। पुशबैक का मतलब किसी व्यक्ति को जबरन सीमा पार भेज देना। पिछले कुछ सालों में भारत और बांग्लादेश की सीमा पर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। दरअसल बंगाल चुनाव के दौरान बीजेपी ने ममता बनर्जी की सरकार पर आरोप लगाया था उसने बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों को शरण दी है।बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी के नेता ने बीजेपी को बधाई दी उधर बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी बीएनपी के सूचना सचिव अजीजुल बारी हेलाल ने बीजेपी को जीत की बधाई दी और कहा कि इससे भारत-बांग्लादेश संबंध मजबूत हो सकते हैं। उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर तीस्ता जल बंटवारे समझौते में देरी करने का आरोप लगाया और कहा कि वह इसमें सबसे बड़ी रुकावट थी। उन्होंने दावा किया कि यह समझौता बांग्लादेश सरकार और मोदी सरकार दोनों ही चाहते थे। हेलाल ने उम्मीद जताई कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी सरकार भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को बेहतर बनाएगी और तीस्ता समझौते को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि भारत के राज्यों में बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा पश्चिम बंगाल की ही लगती है। इसलिए वहां की राजनीति का असर सीधे दोनों के संबंधों पर पड़ता है। वहां सत्ता बदलना दोनों देशों के लिए अच्छा है। इससे दोनों देशों के बीच सीमा मुद्दों पर भी सुधार हो सकता है। तीस्ता नदी हिमालय के पाहुनरी ग्लेशियर से निकलती है। यह सिक्किम से पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश जाती है और बाद में ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। यह नदी कुल 414 किलोमीटर का रास्ता तय करती है। इस नदी से बांग्लादेश के 2 करोड़ और भारत के 1 करोड़ लोगों का जीवनयापन जुड़ा है। इस लंबी यात्रा के दौरान तीस्ता नदी की 83फीसदी यात्रा भारत में और 17फीसदी यात्रा बांग्लादेश में होती है। भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कई सालों से विवाद है। बांग्लादेश तीस्ता के 50 फीसदी पानी पर अधिकार चाहता है। जबकि भारत खुद 55फीसदी पानी चाहता है। जानकारों के मुताबिक अगर तीस्ता नदी जल समझौता होता है तो पश्चिम बंगाल नदी के पानी का मनमुताबिक इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। यही वजह है कि ममता बनर्जी इसे टालती रहीं।1815 में नेपाल के राजा और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच तीस्ता नदी के पानी को लेकर समझौता हुआ था। तब राजा ने नदी के बड़े हिस्से का नियंत्रण अंग्रेजों को सौंप दिया। बांग्लादेश के आजाद होने के 12 साल बाद 1983 में दोनों देशों के बीच अंतरिम समझौता हुआ। इसमें बांग्लादेश को 36फीसदी और भारत को 39फीसदी पानी देने की बात थी, जबकि 25फीसदी हिस्से पर बाद में फैसला होना था। लेकिन यह समझौता भी पूरी तरह लागू नहीं हो पाया। बाद में बांग्लादेश ने कहना शुरू किया कि उसे जितना पानी मिल रहा है, वो उसकी जरूरत के हिसाब से कम है। सूखे में उसका इतने पानी से गुजारा नहीं हो पाता है। साल 2008 में शेख हसीना के पीएम बनने के बाद से बांग्लादेश की मांग तेज होने लगी। 2011 में जब कांग्रेस की सरकार थी तब भारत, तीस्ता नदी जल समझौता पर दस्तखत करने को तैयार हो गया था। **आगे की खबर पेज संख्या 03 पर..**

पार्कों,दफ्तरों और घरों में गूंजती है 'रेडियो ताइसो' की धुन,सुबह 6.30 बजे पूरा जापान एक साथ कसरत करता है

टोकियो। सुबह के ठीक 6:30 बजे हैं। जापान की राजधानी टोक्यो के किबा पार्क में हल्की धुंध है, लेकिन वहां सन्नाटा नहीं है। जैसे ही रेडियो पर पियानो की मधुर धुन गूंजती है, 88 साल की मीको कोबायाशी और उनके साथ खड़े सैकड़ों लोग एक साथ अपने हाथ हवा में लहराने लगते हैं। यह न तो सैन्य ड्रिल है और न ही कोई परेड। यह 'रेडियो ताइसो' की करीब 100 साल (1928) से जारी अभ्यास की परंपरा है। संभवतः इसी से जापान में दुनिया के सबसे सेहतमंद और दीर्घायु लोग हैं। सिर्फ 10 मिनट की कसरत-रेडियो ताइसो ने 1928 में सुबह के समय सुमधुर संगीत के साथ सामूहिक योग-अभ्यास की परंपरा शुरू की थी। पूरा सत्र सिर्फ 10 मिनट का होता है। इसमें शरीर को स्ट्रेच करना, कमर घुमाना और हाथों को ऊपर-नीचे करने जैसे करीब 12 आसान स्टेप्स होते हैं। इसकी खूबसूरती यह है कि इसे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक और ऑफिस जाने वाले कर्मचारी से लेकर व्हीलचेयर पर बैठे लोग तक, कोई भी कर सकता है। किसी जिम के उपकरण की जरूरत नहीं, बस रेडियो या मोबाइल पर धुन बजाते हैं और कसरत करते हैं। बचपन से रोजाना इस कसरत में शामिल हो रही मीको कोबायाशी कहती हैं, 'अगर बारिश न हो, तो मैं रोज आती हूं। शरीर हिलता है तो अच्छा लगता है।' दिखने में महज 60 के लगने वाले 83 वर्षीय केंजी इगुची बताते हैं कि यह कसरत उनके लिए सिर्फ जोड़ों के दर्द का इलाज नहीं है, बल्कि अपनों से मिलने का जरिया भी है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद इस पर प्रतिबंध भी लगा था-जापान में 99,763 लोग ऐसे हैं, जिनकी उम्र 100 साल से अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि 'रेडियो ताइसो' बुजुर्गों को घर की चारदीवारी से बाहर निकालता है, जिससे वे मानसिक अवसाद और अकेलेपन से बचे रहते हैं और यह उनके दीर्घायु और सेहत का राज है। 1928 में इसकी शुरुआत की प्रेरणा अमेरिका के एक बीमा कार्यक्रम से मिली थी। सम्राट हिरोहितो के राज्याभिषेक के समय इसे जापान में लागू किया गया। दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार के बाद अमेरिका ने इसे 'अधिनायकवादी' अभ्यास बताते हुए प्रतिबंध लगा दिया था। 1951 में लोगों की मांग पर फिर शुरू किया गया। तब से यह लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बना हुआ है।

नियोजन विभाग द्वारा संचालित ओ0टी0डी0 (वन ट्रिलियन डॉलर) को लेकर जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में

गठित ओ0टी0डी0 सेल की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद स्तर पर वन ट्रिलियन डॉलर योजना के अन्तर्गत किये जा रहे प्रयासों तथा ओ0टी0डी0 सेल के गठन के उद्देश्य के सम्बन्ध

में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये जिले स्तर से किये जा रहे प्रयास प्रदेश की अर्थव्यवस्था को प्रतिविम्बित करेंगे। इसके लिये आवश्यक है कि जिले स्तर के आंकडे उच्च गुणवत्ता पूर्ण हो। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर बनाने के लिये जिला स्तर पर अर्थव्यवस्था के प्राथमिक, द्वितीय, एवं तृतीय, क्षेत्र में जिले के योगदान को परिलक्षित करने के लिये आवश्यक है कि सभी सम्बन्धित विभाग आंकड़ो की गुणवत्ता की स्वतः समीक्षा करते हुये अपने विभागीय पोर्टल पर गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों को फीड करना सुनिश्चित करें, जिससे जिले का वास्तविक योगदान परिलक्षित हो। बैठक में प्राथमिक क्षेत्र के कृषि विभाग से दलहन एवं मिलेटस की उत्पादकता कम परिलक्षित होने के कारण, इनकी उत्पादकता को बढ़ाने के सम्बन्ध में आवश्यक प्रयास किये जाने हेतु चर्चा की गयी तथा अन्य सम्बंधित अधिकारीयों को निर्देशित किया गया कि ओ0टी0डी0 सेल के उद्देश्य के अनुसार राज्य की अर्थव्यवस्था को बन ट्रिलियन डालर बनाने के लिये जिले स्तर पर सकरात्मक प्रयास किये जाए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया की जनपद की कुछ महत्वपूर्ण योजनाओ को चिन्हित किया जाये, जिससे उनकी प्रगति के लिए प्रयास कर वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य कि प्राप्ति के लिए जनपद का योगदान दिया जा सके, इसके साथ ही निर्देशित किया गया कि संबंधित विभाग अपनी आगामी कार्ययोजना बना कर प्रस्तुत करे जिससे जनपद की प्रगति में वृद्धि हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप कृषि निदेशक विनोद कुमार, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, डीएसटीओ सुधीर गिरी सहित सेल से सम्बंधित विभागों के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

रॉबर्ट्सगंज में ज्वेलरी व्यवसायी से 20 लाख की धोखाधड़ी, धमकी देने पर एफआईआर दर्ज

अपना दल एस का जिला सचिव बताने वाले आरोपी ने दिया बाउंस चेक, जान से मारने की धमकी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को ज्वेलरी व्यवसायी से लाखों रुपये की धोखाधड़ी और जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शीतला मंदिर के समीप 'श्री साई ज्वेलर्स' के मालिक आयुष केशरवानी ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित का आरोप है कि कुरथा निवासी राकेश पटेल, जो खुद को अपना दल एस का जिला सचिव बताता है, ने जुलाई 2024 से नवंबर 2024 के बीच दुकान से करीब 20 लाख 97 हजार रुपये के जेवरात खरीदे। इसमें से 4.50 लाख रुपये बकाया थे। आरोपी ने एक सप्ताह में भुगतान का आश्वासन दिया, लेकिन बार-बार मांगने पर पंजाब एंड सिंध बैंक का एक

चेक थमा दिया। खाते में पर्याप्त धनराशि न होने के कारण चेक बाउंस हो गया। पीड़ित के अनुसार 4 जनवरी 2026 को बढ़ौली चौराहे पर बकाया मांगने पर आरोपी ने राजनीतिक रसूख दिखाते हुए सरेराह गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पूर्व में कस्बा चौकी पर सुलह-समझौता हुआ था, जिसमें आरोपी ने 28 फरवरी 2026 तक भुगतान का वादा किया था। लेकिन समय सीमा बीतने के बाद न पैसा दिया और न फोन उठाया। परेशान होकर पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए रॉबर्ट्सगंज पुलिस ने 5 मई 2026 को आरोपी राकेश पटेल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस धोखाधड़ी और धमकी के मामले की जांच कर रही है।

साले की शादी में गए थे डॉक्टर, इलाज के अभाव में महिला मरीज की मौत

सहारा हॉस्पिटल में परिजनों का हंगामा, लापरवाही का आरोप; पुलिस जांच में जुटी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के बभनौली वार्ड स्थित प्राइवेट सहारा हॉस्पिटल एंड सर्जिकल सेंटर में बुधवार सुबह इलाज में कथित लापरवाही से एक महिला की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया।जानकारी के अनुसार करमा थाना क्षेत्र के बसवा गांव निवासी रुक्मणी देवी 25 वर्ष पत्नी जितेंद्र कुमार को मंगलवार सुबह पेट दर्द व उल्टी होने पर बभनौली स्थित सहारा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। मृतका के पति जितेंद्र ने बताया कि डॉक्टर रिश्ते में भी लगते थे, इसलिए सोचा कि अच्छा इलाज होगा। लेकिन भर्ती के बाद से ही डॉक्टर अस्पताल से गायब हो गए। स्टाफ नर्स के भरोसे इलाज चल रहा था।देर रात पत्नी का दर्द बढ़ने पर डॉक्टर को फोन किया तो उन्होंने बताया कि वह साले की शादी में ससुराल गए हैं, स्टाफ इलाज कर देगा। तबीयत बिगड़ने पर दर्जनों बार फोन किया गया, लेकिन डॉक्टर ने फोन उठाना बंद कर दिया। स्टाफ कर्मचारियों ने पानी की बोतल व कुछ दवा चढ़ाई। सुबह परिजन मिलने पहुंचे तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।परिजनों का आरोप है कि अस्पताल संचालक बड़े-बड़े होर्डिंग और दर्जनों डॉक्टरों के नाम लिखकर गुमराह करते हैं। अनट्रेंड कर्मचारियों से इलाज कराया गया जिससे मौत हुई। मृतका की तीन बच्चियां हैं। परिजनों ने डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।कस्बा चौकी इंचार्ज अमित सिंह ने बताया कि सूचना पर मौके पर पहुंचकर परिजनों को शांत कराया गया। तहरीर मिलने पर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल-जिले में दर्जनों प्राइवेट अस्पताल खुले हैं। आए दिन लापरवाही की घटनाएं सामने आती हैं। आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग केवल कोरम पूर्ति करता है। कार्रवाई के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है या दूसरे नाम से अस्पताल संचालित होने लगता है।

डीएम की अध्यक्षता में रबी खरीद के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न,सभी क्रय केंद्रों पर प्रतिदिन खरीद सुनिश्चित की जाए - डीएम

किसानों को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान किया जाए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में रबी खरीद व्यवस्था की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, खाद्य एवं रसद विभाग, मंडी समिति, सहकारी समितियों तथा विभिन्न क्रय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में अवगत कराया गया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जनपद में कुल 104 क्रय केंद्र संचालित हैं। गेहूं क्रय की अवधि 30 मार्च से 15 जून 2026 तक निर्धारित है तथा गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। जनपद में 05 मई 2026 तक 32,000 मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 11,895 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है, जो लक्ष्य का लगभग 37 प्रतिशत है।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि रबी फसलों, विशेषकर गेहूं की खरीद प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी क्रय केंद्रों पर प्रतिदिन खरीद सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसानों को उनके उपार्जित गेहूं का भुगतान निर्धारित समय सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए तथा किसी भी स्थिति में भुगतान लंबित न रहे। जिलाधिकारी ने तौल प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने तथा गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी क्रय केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में बोरे, तिरपाल, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से क्रय केंद्रों का निरीक्षण करने तथा किसी भी समस्या का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाने पर भी बल दिया, जिससे अधिक से अधिक किसान सरकारी खरीद प्रणाली का लाभ उठा सकें।बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, एआर कोऑपरेटिव विवेक कुमार सिंह, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता, जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुररहमान, मंडी सचिव रायबरेली प्रेम चंद्र सरोज, मंडी सचिव लालगंज अतुल प्रकाश सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं क्रय एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

एआरपी संघ के जिला अध्यक्ष पद पर अरविंद प्रसाद पांडेय निर्विरोध निर्वाचित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। अमेठी जनपद

के गौरीगंज क्षेत्र अंतर्गत राजगढ़ स्थित एसपीएस पब्लिक स्कूल में बुधवार को एआरपी संघ का चुनाव अपराह्न 1:30 बजे संपन्न हुआ। इस चुनाव में जनपद के 13 विकास खंडों से एआरपी सदस्यों ने भागीदारी की।अध्यक्ष पद के लिए प्रारंभ में दो प्रत्याशियों गौरीगंज के अरविंद प्रसाद पाण्डेय और अमेठी के अंबरीश यादव–ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी। हालांकि निर्धारित समय सीमा के भीतर अंबरीश यादव द्वारा अपना नामांकन वापस ले लिया गया, जिसके बाद अरविंद प्रसाद पांडेय को सर्वसम्मति से जनपद अमेठी एआर पी संघ का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। उनके निर्वाचित होते ही उपस्थित सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया।बैठक के दौरान संगठन की आवश्यक औपचारिकताये एवं कोरम भी पूरा किया गया। कार्यक्रम का संचालन शुकुल बाजार के एआरपी अरविंद कुमार द्वारा किया गया।निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के बाद अरविंद प्रसाद पांडेय ने कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे तथा शीघ्र ही जिला कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों ने अरविंद प्रसाद पाण्डेय को माल्यार्पण कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर विनय कुमार, चिंतामणि उपाध्याय, राजेंद्र कुमार, अनुज कुमार, विनोद कुमार, बद्री विशाल सिंह, विष्णु कांत पाठक, अंबरीश यादव, हरिकेश यादव, डॉक्टर सुधीर अग्रहरि, विनय पाण्डेय,दीपक बरनवाल , राजीव साहू , अवनीश तिवारी, विनोद सिंह सहित अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

उच्च पदाधिकारियों की उपस्थिति में बसपा की तीन बूथ कमेटियों का हुआ गठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। बहुजन समाज पार्टी

में बूथों के गठन का कार्य चल रहा है। इसी क्रम में सेक्टर भादर के बूथ भादर पश्चिम के तीन बूथों का गठन किया गया। पार्टी की बैठक अनिल कुमार के निवास पर हुई। विधानसभा अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद, विधानसभा प्रभारी राम अभिलाष बौद्ध, विधानसभा सचिव राम फल फ़ौजी ने उपस्थित बूथ कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों तथा ग्राम वासियों को सम्बोधित किया।लक्ष्मण प्रसाद गौतम ने कहा,' 2027 में बसपा सत्ता में वापसी को तैयार है सभी कार्यकर्ता अपने -अपने बूथों पर मिशन मोड़ में जुटें। राम अभिलाष बौद्ध ने कहा कि बसपा ने अपने शासनकाल में शासन चलाने को जो पैमाना सेट किया था विभिन्न दलों भाजपा, सपा व कांग्रेस उसके इर्द-गिर्द भी नहीं ठहरती। राम फल फ़ौजी ने कहा, बहुजन समाज पार्टी 26 -26 योजनाओं को चलाकर प्रदेश में विकास को तीव्र गति प्रदान किया।बैठक में रामसमुझ सेवा निवृत्त अध्यापक, विश्राम,राम आशीष,सोमई,भगेलू, दिनेश कुमार, कल्लू, रामपाल , रीता,रानी, प्रियंका,घेर्राऊ, बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं उपस्थित रहे।

भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने व्यापार मंडल के साथ की समीक्षा बैठक,सेक्टर 115 में गूँजी व्यापारियों की समस्याएँ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा के व्यापारिक हितों को मजबूती देने और व्यापारियों की जमीनी समस्याओं के समाधान हेतु आज 6 मई को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के सेक्टर 115 स्थित प्रदेश कार्यालय पर आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने की। समस्याओं पर गहन मंथनबैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने महानगर अध्यक्ष को अवगत कराया कि शहर के व्यापारियों को वर्तमान में कई बुनियादी ढांचागत समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। लगभग दो घंटे चली इस वार्ता में मुख्य रूप से चार बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई:एलिवेटेड रोड के नीचे की दुर्दशाः व्यापारियों ने बताया कि एलिवेटेड रोड के नीचे अतिक्रमण और गंदगी के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है। यहाँ सौंदर्यीकरण और सुगम यातायात की तत्काल आवश्यकता है।सीवरेज और ड्रेनेज संकटः कई बाजारों में सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या गंभीर बनी हुई है। व्यापारियों ने इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु ठोस नीति बनाने की मांग की।बिजली मीटर और विभाग की कार्यप्रणालीः बिजली मीटरों की खराबी और विभाग द्वारा की जा रही लापरवाही को लेकर भी रोष व्यक्त किया गया। व्यापारियों ने मांग की कि कमर्शियल मीटरों की जांच और बदलाव की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए।व्यापारी सुरक्षाः हाल की कुछ घटनाओं का हवाला देते हुए बाजारों में पुलिस गश्त बढ़ाने और सीसीटीवी नेटवर्क को और अधिक मजबूत करने पर चर्चा हुई। शासन और संगठन का साझा प्रयासभाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुना। उनके साथ आए जिला महामंत्री श्री चंदगीराम यादव और जिला महामंत्री अमित त्यागी ने भी विभिन्न मुद्दों पर अपने सुझाव रखे। महानगर अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि भाजपा संगठन व्यापारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर जल्द ही इन समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दियात बैठक में उपस्थित गणमान्य-इस अवसर पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की टीम पूरी सक्रियता के साथ मौजूद रही, जिसमें मुख्य रूप से:प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवालप्रदेश सचिव शिवा चौहानक्रॉकरी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश जिंदलवरिष्ठ व्यापारी नेता नवीन अग्रवालत बैठक के अंत में प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि शासन-प्रशासन के सहयोग से नोएडा के व्यापारिक माहौल में सकारात्मक बदलाव आएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी की बंगाल में विजय हासिल करने पर महानगर जिलाध्यक्ष महेश चौहान को गुलदस्ता देकर बधाई दी।

जनगणना 2027ः डिजिटल स्व-गणना के लिए ब्लॉक सभागार में सेमिनार आयोजित

मोबाइल से फॉर्म भरकर किया शुभारंभ, ओटीपी-एटीएम जैसी जानकारी न साझा करने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनगणना 2027 के तहत डिजिटल स्व-गणना अभियान को लेकर रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक सभागार में जागरूकता एवं प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मोबाइल फोन से डिजिटल जनगणना फॉर्म भरकर किया गया। सेमिनार में ग्राम प्रधानों, ग्राम विकास अधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सफाई कर्मियों और ब्लॉक कर्मचारियों को डिजिटल स्व-गणना प्रक्रिया की जानकारी दी गई।अधिकारियों ने बताया कि सरकार की ओर से जारी पोर्टल के माध्यम से लोग स्वयं भी अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर के जरिए ओटीपी सत्यापन और ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया समझाई गई। बीडीओ लालजी शुक्ला ने कहा कि डिजिटल स्व-गणना अभियान का उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जनगणना के नाम पर किसी भी व्यक्ति के साथ बैंक खाते, एटीएम या ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करें। मुख्य अतिथि प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश शुक्ला ने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है। डिजिटल व्यवस्था से प्रक्रिया अधिक आसान और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे जागरूक होकर स्व-गणना अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में लोगों को मोबाइल फोन के माध्यम से स्वयं फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर अखिलेश प्रजापति, पार्थ राज सिंह, राधेश्याम यादव सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां और ग्रामीण मौजूद रहे।

डॉक्टर की मौत पर मेडिकल कॉलेज में शोक, श्रद्धांजलि सभा आयोजित

डॉ. अनुभव मिश्र को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, साथियों ने याद किया मरीजों के प्रति समर्पण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉ. अनुभव मिश्र की बुधवार शाम सड़क दुर्घटना में हुई मौत से चिकित्सा जगत में शोक की लहर है। गुरुवार को 02 अस्पताल परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में डॉक्टरों व स्टाफ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अनुभव मिश्र की अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया। वे बेहद मिलनसार और मरीजों के प्रति जिम्मेदार थे। कोई भी पीड़ित कहीं आते-जाते मिल जाता तो उनका समुचित इलाज व दवा दिलवाकर ही आगे बढ़ते थे। उनकी पहली प्राथमिकता मरीज की सेवा थी। आज उनका जाना बहुत खल रहा है। इस मौके पर डॉ. राहुल, प्रशांत शुक्ला, अवनीश शाह, सुनील गौड़, अनिका शमी, दीप्ति सिंह, विजय सिंह, बलवंत नरायन, अमित गुप्ता, प्रीतम पाठक, अमृत राय सहित सभी डॉक्टर मौजूद रहे। नर्सिंग स्टाफ ने भी श्रद्धांजलि दी। सभा में शुभम दुबे, पुष्पेंद्र शुक्ला, नेहा गुप्ता, पूजा सिंह, आनंद, अविनाश, मनदीप, पुष्पांजलि समेत अस्पताल के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

ई-चालानों का राष्ट्रीय लोक अदालत में कराये सरल निस्तारण, जिला न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रातः 10 बजे से होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 09 मई 2026 को दीवानी न्यायालय, रायबरेली में प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अन्य मामलों के साथ-साथ वाहनों के ई-चालानों का निस्तारण सुगमता से कराया जा सकता है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा द्वारा बताया गया कि जिन व्यक्तियों के वाहनों का पुलिस अथवा यातायात पुलिस द्वारा ई-चालान किया गया है वे सभी व्यक्ति 09 मई 2026 को दीवानी न्यायालय परिसर रायबरेली में आकर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सुगमता से अपने मामले का निस्तारण करा सकते है।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता खत्म, भाकपा ने बताया जनता के संघर्ष की जीत

आर के शर्मा बोले- बिना अतिरिक्त बोझ के हटाए जाएं लगे स्मार्ट मीटर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर संयोजन की अनिवार्यता समाप्त करने के सरकार के निर्णय को जनता की जीत बताया है। पार्टी ने मांग की कि उपभोक्ताओं के यहां लगे स्मार्ट मीटर बिना किसी अतिरिक्त बोझ के हटाए जाएं। भाकपा उत्तर प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य व जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि प्रीपेड मीटर कनेक्शन समाप्ति की घोषणा जनता की जीत है। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि बिजली के निजीकरण के उद्देश्य से कानून में परिवर्तन किया गया और ऐसे प्रावधान किए गए जिससे जनता पर अनाप-शनाप आर्थिक बोझ पड़े। भाकपा नेता ने कहा कि पार्टी व अन्य संगठनों के बैनर तले प्रदेश की जागरूक जनता द्वारा प्रीपेड स्मार्ट कनेक्शन का जबरदस्त विरोध किया जा रहा था, जिसके चलते सरकार को कदम पीछे खींचना पड़ा। सरकार पहले जनविरोधी नीतियां आनन-फानन लागू करती है और विरोध पर चुनाव के डर से वापस लेती है। सरकार ने यह स्पष्टीकरण भी नहीं दिया कि प्रीपेड कनेक्शन की अनिवार्यता क्यों घोषित की गई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मांग की कि लोगों के यहां लगे स्मार्ट मीटर बिना किसी अतिरिक्त बोझ के हटाए जाएं और पूर्व की तरह विभागीय मीटर लगाया जाए। प्रदेश में अभी भी कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां डिजिटल नेटवर्क ही नहीं है, ऐसे में स्मार्ट मीटर का कोई औचित्य नहीं है। कामरेड आर के शर्मा ने कहा कि जनता की नाराजगी से सरकार को कदम पीछे खींचना पड़ा। सरकार की मजबूरी चुनाव है, क्योंकि आने वाले दिनों में पंचायत चुनाव और 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि जनता एकजुट रहे तो सरकार की जनविरोधी नीतियों को बदलवाया जा सकता है।

09 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के दिशा-निर्देशन में 09 मई 2026 को दीवानी न्यायालय, रायबरेली में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु बैंक ऑफ बड़ौदा, रायबरेली के सहयोग से उपलब्ध प्रचार वाहन को श्रीमती अनिशा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, क्षेत्रीय प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा संजय कुमार राय व अग्रणी जिला प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा रुपेश दुबे के द्वारा ए0डी0आर0 सेंटर छजलापुर रायबरेली से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया, जो कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आम जनमानस के मध्य लोक अदालत का प्रचार-प्रसार करेगा। उक्त अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के राजीव रंजन श्रीवास्तव प्रबंधक वसूली अधिकारी व वसूली अधिकारी आदर्श बाजपेयी, पराविधिक स्वयं सेवक मनोज कुमार प्रजापति, राजकमल, व वीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे।प्रचार-प्रसार वाहन के द्वारा शहर के मुख्य चौराहों पर पैम्फलेट वितरण कर आमजनमानस के मध्य राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार किया गया।

भारतीय डाक के उत्तर गुजरात परिक्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में रु251 करोड़ का राजस्व अर्जित कर 25.19फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अहमदाबाद। भारतीय डाक विभाग के उत्तर गुजरात परिक्षेत्र, अहमदाबाद ने अपने उत्कृष्ट कार्यों से बहुआयामी उपलब्धियों का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में 'डाक सेवा, जन सेवा' के मूल मंत्र को सार्थक करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कुल रु251 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 25.19फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। इस उपलब्धि के साथ उत्तर गुजरात परिक्षेत्र ने गुजरात परिमंडल में राजस्व अर्जन में सर्वोच्च स्थान सुनिश्चित किया है। क्षेत्रीय कार्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि डाक निदेशालय द्वारा चिन्हित सभी 7 प्रमुख राजस्व क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया गया। इस दौरान डाकघर बचत बैंक में रु104.93 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.35फीसदी अधिक है। डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा में रु17.70 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया, जिसमें 21.65फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। मेल ऑपरेशन और पार्सल में क्रमशः रु59.04 करोड़ और रु48.18 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ, जो गत वर्ष की तुलना में क्रमशः 21.16फीसदी और 190.07फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय मेल में रु8.55 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया गया, जो वैश्विक स्तर पर डाक सेवाओं के विस्तार एवं बढ़ती मांग को प्रतिबिंबित करता है। नागरिक-केंद्रित सेवाएँ में रु12.60 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.11फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में गत वर्ष 'पोस्टल वॉरियर्स' अभियान चलाकर डाकघरों द्वारा वित्तीय समावेशन पर फोकस किया गया। नतीजन, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान उत्तर गुजरात परिक्षेत्र में 8.84 लाख नए डाकघर बचत बैंक खाते खोले गए, इसी के साथ बचत बैंक खातों की कुल संख्या 43 लाख को पार कर गई। पहली बार डाकघर बचत बैंक का राजस्व रु100 करोड़ को पार कर रु104.93 करोड़ तक पहुँचा। अहमदाबाद नगर मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे गुजरात में गत वर्ष सर्वाधिक 2.94 लाख नए खाते खोलकर अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के अंतर्गत 1.71 लाख नए खाते खोले गए हैं। 26 हजार से ज्यादा लोगों ने डाक जीवन बीमा व ग्रामीण डाक जीवन बीमा की पॉलिसी ली। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के 1,110 गाँवों को 'संपूर्ण सुकन्या समृद्धि ग्राम', 400 गाँवों को 'संपूर्ण बचत ग्राम' व 791 गाँवों को 'संपूर्ण बीमा ग्राम' घोषित किया जा चुका है। ये उपलब्धियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा एवं बचत की भावना को प्रोत्साहित करने में डाक विभाग के सतत प्रयासों को दर्शाती हैं। भारतीय डाक द्वारा नागरिक-केंद्रित सेवाओं के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। डाकघरों के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्तर गुजरात में 4.20 लाख लोगों को आधार सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया, जिसमें 3.32 लाख पोस्ट ऑफिस काउंटर से और 88 हजार लोगों ने सीईएलसी के माध्यम से डोर स्टेप पर आधार सेवाएं ली। इसके अतिरिक्त पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र के माध्यम से 68,702 पासपोर्ट आवेदन प्रोसेस किए गए। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि उत्तर गुजरात परिक्षेत्र की ये उपलब्धियाँ डाक विभाग की सेवा गुणवत्ता, पारदर्शिता, नवाचार एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जो समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्यरत हैं।सहायक निदेशक श्री वी. एम. वहोरा ने बताया कि, डाक सेवाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु उत्तर गुजरात में 6,771 डाक चौपाल का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक श्री अल्पेश शाह ने कहा कि, पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में 'पोस्टल वॉरियर्स' अभियान के तहत उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के सभी 1905 शाखा डाकघरों को 'सिल्वर पोस्टल वॉरियर', 1706 शाखा डाकघर 'गोल्ड वॉरियर', 240 शाखा डाकघर 'डायमंड वॉरियर' तथा 48 शाखा डाकघर 'प्लेटिनम वॉरियर' के रूप में घोषित किए जा चुके हैं। यह उपलब्धि परिक्षेत्र के सभी मण्डलाधीक्षकों, उपमंडलाध्यक्षों, पोस्टमास्टरों, ब्रांच पोस्टमास्टरों तथा फील्ड स्टाफ के सामूहिक प्रयास, बेहतर समन्वय और मजबूत टीम भावना का प्रतिफल है।

बंगाल में भाजपा सरकार,बांग्लादेश को लोगों की वापसी का डर,बांग्लादेशी मंत्री बोले- उम्मीद है जबरन नहीं भेजा जाएगा

ढाका। इसमें बांग्लादेश को 37.5फीसदी और भारत को 42.5फीसदी पानी देने की बात थी। बाकी 20फीसदी किसी देश को देने के लिए तय नहीं था। इसे 'अनएलोकेटेड' या रिजर्व पानी माना गया था।ये हिस्सा नदी के प्राकृतिक बहाव, पर्यावरण और जरूरत के हिसाब से छोड़ा जाता है, ताकि नदी सूख न जाए और ईकोसिस्टम बना रहे। हालांकि, तब ममता बनर्जी की नाराजगी की वजह से मनमोहन सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी पीएम बने। एक साल बाद वो बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के साथ बांग्लादेश गए। इस दौरान दोनों नेताओं ने बांग्लादेश को तीस्ता के बंटवारे पर एक सहमति का यकीन दिलाया था। लेकिन 11 साल बीतने के बावजूद अब तक तीस्ता नदी जल समझौते का समाधान नहीं निकल पाया है। ममता सरकार इस समझौते का विरोध क्यों करती रही-पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार तीस्ता और फरक्का जल बंटवारे के समझौतों का विरोध करती रही हैं। उनके मुताबिक इसका सीधा असर राज्य के लोगों की आजीविका पर पड़ेगा। उनका तर्क है कि पहले ही तीस्ता नदी में पानी का प्रवाह कम हो चुका है, ऐसे में अगर बांग्लादेश के साथ अतिरिक्त पानी साझा किया गया तो उत्तर बंगाल में सिंचाई और पीने के पानी का संकट गहरा सकता है। साथ ही फरक्का बैराज से पानी मोड़ना कोलकाता पोर्ट की नौवहन क्षमता बनाए रखने के लिए जरूरी माना जाता है।

ममता सरकार का यह भी कहना था कि इस तरह के संवेदनशील फैसलों में राज्य सरकार को भरोसे में लिए बिना कोई समझौता नहीं होना चाहिए, क्योंकि सबसे ज्यादा असर स्थानीय लोगों पर ही पड़ता है। भारत और बांग्लादेश के बीच करीब 54 साझा नदियां हैं। लेकिन अब तक सिर्फ दो बड़ी नदियों पर ही औपचारिक समझौते हो पाए हैं। पहला गंगा नदी पर 1996 में हुआ समझौता और दूसरा कुशियारा नदी पर सितंबर 2022 का समझौता। कुशियारा डील के तहत बांग्लादेश को कुशियारा नदी से सीमित मात्रा में पानी लेने की अनुमति दी गई, ताकि वहां के कुछ इलाकों में सिंचाई और खेती में मदद मिल सके। वहीं, गंगा जल संधि 1996 में 30 साल के लिए किया गया था, जिसकी अवधि 2026 में पूरी हो रही है। यानी अब इस पर दोबारा बातचीत की जरूरत पड़ेगी। तीस्ता नदी पर अब तक कोई स्थायी समझौता नहीं हो पाया है और यह सबसे बड़ा विवाद बना हुआ है।

जब भारत किसी नदी पर समझौता नहीं कर पाता, तो बांग्लादेश में यह धारणा बनती है कि भारत अपनी घरेलू राजनीति, खासकर राज्यों के दबाव की वजह से फैसले टाल रहा है। दूसरी तरफ भारत के लिए यह संतुलन का मामला है, क्योंकि उसे एक तरफ पड़ोसी देश के साथ रिश्ते संभालने होते हैं और दूसरी तरफ अपने राज्यों, जैसे पश्चिम बंगाल की जरूरतों का भी ध्यान रखना पड़ता है।

यूपी में दरोगा भर्ती लिखित परीक्षा का रिजल्ट जारी,जनरल की कटऑफ 369 से ऊपर; 20 सवालों पर आपत्ति

प्रयागराज। यूपी में दरोगा भर्ती- 2025 की लिखित परीक्षा का रिजल्ट गुरुवार को जारी हो गया। 12,333 अभ्यर्थी पास हुए हैं। यह संख्या पदों के सापेक्ष लगभग 2.7 गुना है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों का कट ऑफ 369.87854 और अनुसूचित जन जाति का कट ऑफ 334.65475 है। महिला बटालियन के लिए महिला उप निरीक्षक नागरिक पुलिस (पीसी) के खाली पदों के सापेक्ष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित वर्ग की अनारक्षित श्रेणी की महिला अभ्यर्थियों का कट ऑफ अंक 266.40593 और भूतपूर्व सैनिक वर्ग की अनारक्षित श्रेणी की महिला अभ्यर्थियों का कट ऑफ 223.48777 है। अभ्यर्थियों ने 160 सवालों में से 20 पर आपत्ति जताई थी। 8 सवाल के विकल्प गलत निकले हैं। इसलिए सभी अभ्यर्थियों को इन सवालों के नंबर मिले हैं। हालांकि अवसरवादी के 'पंडित' विकल्प वाले सवाल में कोई बदलाव नहीं किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को अब दस्तावेज सत्यापन , शारीरिक मानक परीक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षा से गुजरना होगा।यूपी पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड ने दरोगा के 4543 पदों के लिए लिखित परीक्षा 14 और 15 मार्च 2026 को चार पालियों में कराई गई थी। ऑनलाइन आवेदन अगस्त-सितंबर 2025 में मांगे गए थे। 10,77,403 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। 10 लाख 65 हजार 70 अभ्यर्थी फेल हो गए।

दुद्धी में चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता: 2 नाबालिग बालिकाएं बाल विवाह से बचाई गईं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट की त्वरित कार्रवाई से थाना दुद्धी क्षेत्र की दो नाबालिग बालिकाओं को बाल विवाह से बचाकर सुरक्षित संरक्षण दिया गया। सूचना प्राप्त होते ही परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम में सुपरवाइजर सुधा गिरी, सत्यम चौरसिया और केसवर्कर बजरंग सिंह शामिल रहे। जांच के दौरान परिजनों से बालिकाओं की उम्र संबंधी दस्तावेज मांगे गए, परन्तु कोई वैध प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका। बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए टीम ने गीता (17 वर्ष) और सविता (16 वर्ष) को संरक्षण में लिया। कोतवाली दुद्धी में जीडी दर्ज कराने के उपरांत दोनों बालिकाओं को बाल कल्याण समिति, सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस कार्रवाई पर परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह ने कहा, 'बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाज के सहयोग और जागरूकता से ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा को पूरी तरह रोका जा सकता है।' बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार वर्तमान में दोनों किशोरियों को बालगृह बालिका, रॉबर्ट्सगंज में सुरक्षित रखा गया है, जहाँ उनकी देखभाल और काउंसलिंग की जा रही है। चाइल्ड हेल्पलाइन की अपील- चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 आमजन से अपील करती है कि बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी या किसी भी प्रकार के बाल शोषण की जानकारी मिलते ही तत्काल 1098 पर सूचित करें।

आपकी एक कॉल किसी बच्चे का भविष्य बचा सकती है।

डीएम ने नाला निर्माण का किया औचक निरीक्षण, बरसात से पहले काम पूरा करने के निर्देश

गुणवत्ता में लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई, थर्ड पार्टी से जांच के आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए बन रहे नाले का जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का गहनता से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट मैनेजर सीएनडीएस को निर्देशित किया कि नाले का निर्माण कार्य हर हाल में आगामी बरसात से पहले पूर्ण कराया जाए, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या से आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने कार्य में तेजी लाने के साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया।निरीक्षण के दौरान डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की जांच थर्ड पार्टी से कराई जाए, जिससे कार्य की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानकों की अनदेखी बिल्कुल स्वीकार नहीं की जाएगी।जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता में कमी या लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। सभी अधिकारियों को कार्य समयबद्ध एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे रोहित यादव, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, तहसीलदार सदर अमित सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर सीएनडीएस रमेश चन्द्र मौर्य, ईओ मुकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनपद के समग्र विकास हेतु प्रस्तावित परियोजनाओं पर विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न, प्राथमिकता के आधार पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में बुधवार को जनपद के समग्र एवं संतुलित विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण एवं उनके प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।बैठक में जनपद एवं विधानसभा क्षेत्र की विकासात्मक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रस्तावित परियोजनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। विशेष रूप से मार्गों के निर्माण एवं चौड़ीकरण, सेतुओं के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण, सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्य, क्षतिग्रस्त मार्गों एवं पुलों के विशेष मरम्मत कार्य तथा आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। मा0 जनप्रतिनिधिगण द्वारा क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों के विकास, जर्जर पुलों के पुनर्निर्माण, दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा उपायों की स्थापना तथा खराब हो चुके मार्गों के त्वरित मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण करते हुए उनकी उपयोगिता एवं आवश्यकता के आधार पर सुदृढ़ एवं व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने अधिकशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, अधिकशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, अधिकशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-2 तथा अधिशासी अभियन्ता पीएमजीएसवाई को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों का स्थलीय निरीक्षण कर प्राथमिकता तय करें तथा समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करें। बैठक में निर्देश किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों को गति प्रदान करें तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दें। कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप ही निर्माण एवं मरम्मत कार्य संपन्न कराए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि कार्यों में विलंब अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के समग्र विकास के लिए सभी विभागों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी तथा मा0 जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारना सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा एवं सुरक्षित परिवेश उपलब्ध कराया जा सके।

आईजी विंध्याचल ने किया सोनभद्र का वार्षिक निरीक्षण, अपराध समीक्षा बैठक में दिए कड़े निर्देश

विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण व माफियाओं पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने पर जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर आरपी सिंह ने बुधवार को जनपद सोनभद्र के वार्षिक निरीक्षण के द्वितीय दिवस पर पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने फील्ड यूनिट, जिला नियंत्रण कक्ष और स्थानीय अभिसूचना इकाई के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रूणवाल, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार, सभी क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक के मुख्य बिंदु,विवेचना एवं निस्तारण 30-04-2026 तक सर्किलवार लंबित विवेचनाओं, 60/90 दिवस में निस्तारण हेतु लंबित मामलों, एनसीआर व न्यायालय में दाखिल न हो सके आरोप पत्रों की समीक्षा की गई,अपराधियों पर कार्रवाई वांछित, पुरस्कार घोषित अपराधियों, टॉप-10 अपराधियों व चिन्हित माफियाओं पर कार्रवाई और 01.01.2026 से 30.04.2026 तक खोली गई हिस्ट्रीशीट का विवरण लिया गया।,विशेष अधिनियम गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई, संपत्ति जब्तीकरण, पंजीकृत गैंग व 30.04.2026 तक अवैध धर्मांतरण के मामलों की समीक्षा हुई।,अपराध आंकड़े भादवि, महिला अपराध, एससी/एसटी अधिनियम के दो वर्षीय तुलनात्मक आंकड़े, लूट-चोरी में बरामदगी, एनडीपीएस, आबकारी व गोवध अधिनियम के तहत कार्रवाई की समीक्षा की गई।,गंभीर अपराध अनावरण हेतु शेष हत्या, लूट, नकबजनी, वाहन चोरी व एसआरओ केस के लंबित अभियोगों का स्टेटस देखा गया। आईजी ने दिए कड़े निर्देश -पुलिस महानिरीक्षक ने निर्देश दिए कि जनसामान्य की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता हो। चिन्हित अपराधियों और माफियाओं पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई की जाए। लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण कर पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित करें।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

गर्मियों में खराब होता पाचन,अपच,एसिडिटी की समस्या, ये 8 फूड अवॉइड करें, 15 चीजें पाचन को रखेंगी दुरुस्त

नयी दिल्ली। क्या आपने भी नोटिस किया है कि गर्मियों में डाइजेशन अक्सर खराब हो

जाता है? यह सिर्फ खानपान की गलती नहीं, बल्कि शरीर के अंदर होने वाले बदलावों का असर

होता है। ज्यादा तापमान, डिहाइड्रेशन और लाइफस्टाइल की छोटी-छोटी गलतियां पाचन तंत्र की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में सही फूड चॉइस और खाने का टाइम समझना बेहद जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज समझेंगे कि गर्मियों में डाइजेशन क्यों कमजोर हो जाता है। साथ ही जानेंगे कि- किन फूड्स-ड्रिंक्स को अवॉइड करना चाहिए? कौन-सी चीजें डाइजेस्टिव सिस्टम को कूल और एक्टिव रखती हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. नरेंद्र कुमार सिंगला, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- क्या ये फैक्ट है कि गर्मियों में पाचन तंत्र की खाना पचाने की क्षमता कम हो जाती है? जवाब- हां, गर्मियों में पाचन क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण हैं- गर्मी में शरीर का तापमान बढ़ता है, जिससे ब्लड फ्लो स्किन की तरफ शिफ्ट हो जाता है।इसके कारण डाइजेस्टिव ऑर्गन्स को थोड़ा कम ब्लड मिलता है। इसलिए वे पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाते हैं। ज्यादा पसीने से डिहाइड्रेशन हो सकता है, जिससे पाचन एंजाइम्स की काम करने की क्षमता घट सकती है। सवाल- गर्मियों में डाइजेशन सिस्टम कमजोर क्यों होता है? जवाब- गर्मियों में तापमान बढ़ने

पर शरीर का कामकाज प्रभावित होता है। तापमान का बढ़ना डाइजेस्टिव सिस्टम और मेटाबॉलिज्म पर असर डालता है। डाइजेस्टिव सिस्टमज्यादा गर्मी में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट में ब्लड सप्लाई कम होने से पाचन क्षमता घटती है। डिहाइड्रेशन के कारण गैस्ट्रिक जूस और डाइजेस्टिव एंजाइम्स का सिक्रेशन कम होने से फूड ब्रेकडाउन प्रभावित होता है। हीट स्ट्रेस गट माइक्रोब्स के बैलेंस को बिगाड़ सकता है, जिससे डायरिया या गट इंफेक्शन का रिस्क बढ़ता है। मेटाबॉलिज्म- शरीर का बेसल मेटाबॉलिक रेट गर्मी में थोड़ा कम हो सकता है क्योंकि शरीर को हीट प्रोडक्शन कम रखना होता है। ज्यादा तापमान में थायरॉइड हॉर्मोन एक्टिविटी पर हल्का असर पड़ सकता है, जिससे मेटाबॉलिक प्रोसेस धीमे हो सकते हैं। हीट के कारण इलेक्ट्रोलाइट इंबैलेंस (जैसे सोडियम-पोटेशियम) होता है, जो सेलुलर मेटाबॉलिज्म और एनर्जी प्रोडक्शन को प्रभावित करता है। सवाल- आमतौर पर गर्मियों में कौन-सी डाइजेस्टिव समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- ज्यादा तापमान से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट कम हो जाते हैं। डिहाइड्रेशन से पाचन एंजाइम और गट मूवमेंट प्रभावित होते हैं।गर्मी में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ता है। भूख कम लगने से खाने का पैटर्न बिगड़ सकता है। ऑयली और स्पाइसी खाने से पाचन पर ज्यादा दबाव पड़ता है। सवाल- गर्मियों में किन लोगों को डाइजेस्टिव समस्याओं का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- किसी भी हेल्थ प्रॉब्लम का रिस्क सबसे ज्यादा उन लोगों को होता है, जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। या गट इन्फेक्शन,जंक फूड जो पानी कम पीते हैं,तला-भुना, मेडिसिन का ज्यादा इस्तेमाल करने वाले या बच्चे बुजुर्ग गर्भवती महिला वालो को। सवाल- हाई टेम्परेचर और एनवायर्नमेंटल कारणों के अलावा क्या लाइफस्टाइल और फूड हैबिट्स भी गर्मियों में डाइजेशन बिगाड़ सकती हैं? जवाब- बहुत तला-भुना भोजन पेट में ज्यादा समय तक रहता है, जिससे अपच और एसिडिटी का रिस्क होता है। पर्याप्त पानी न पीने से शरीर में डिहाइड्रेशन होता है, जो डाइजेस्टिव एंजाइम्स के सीक्रेशन और गट मूवमेंट को प्रभावित करता है। देर रात भोजन करने से सकैडियन रिद्म बाधित होती है और एंजाइम्स असंतुलित हो सकते हैं। शुगरी और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स लेने से गैस और ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक बैठे रहने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे फूड-ब्रेकडाउन प्रभावित होता है।

सवाल- इस मौसम में कौन-से फूड्स और ड्रिंक्स अवॉइड करने चाहिए, जो पाचन बिगाड़ते हैं? जवाब- डीप फ्राइड फूड्स जैसे पकौड़े, समोसे और चिप्स देर से पचते हैं और हीट प्रोडक्शन बढ़ाते हैं। गर्मियों में पानी से भरपूर और सुपाच्य फूड पेट पर कम दबाव डालते हैं और डाइजेस्टिव प्रोसेस को आसान बनाते हैं। सवाल- गर्मियों में खाने का सही टाइम और पोर्शन साइज क्या होना चाहिए, ताकि पेट पर दबाव न पड़े? जवाब- सुबह उठने के 1 घंटे के भीतर हल्का नाश्ता लेने से मेटाबॉलिक प्रोसेस समय पर शुरू होता है। दिन में हर 3-4 घंटे पर छोटे मील्स लेने से गैस्ट्रिक ओवरलोड और एसिडिटी का रिस्क कम होता है। लंच को दिन का मुख्य भोजन बनाएं। इस समय डाइजेस्टिव एंजाइम्स की एक्टिविटी अपेक्षाकृत बेहतर होती है। एक बार में बहुत ज्यादा खाने की बजाय 60-70फीसदी पेट भरने का तरीका अपनाएं। सवाल- अगर गर्मियों में बार-बार अपच, उल्टी और दस्त हो तो क्या डॉक्टर को दिखाना जरूरी है?

जवाब- हां, 2-3 दिनों से ज्यादा समय तक लक्षण बने रहने पर इन्फेक्शन या फूड पॉइजनिंग का रिस्क होता है। तेज बुखार, पूप में ब्लड या बहुत ज्यादा कमजोरी जैसे संकेत का मतलब मेडिकल अटेंशन की जरूरत है। बच्चों, बुजुर्गों और प्रेग्नेंट महिलाओं को जल्दी सलाह लेनी चाहिए। बार-बार अपच गैस्ट्राइटिस या इरिटेबल बाउल जैसी समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है। डॉक्टर जरूरत के अनुसार ओरल रिहाइड्रेशन, दवाएं या टेस्ट सलाह दे सकते हैं। समय पर इलाज से बड़ी परेशानी से बच सकते हैं।

क्रिकेटर दीप्ति शर्मा ने लिया प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद,संत बोले- अभ्यास बढ़ाइए और लक्ष्य को भेदिए, टी-20 वर्ल्ड कप के लिए हुआ है चयन

आगरा। आगरा की क्रिकेटर दीप्ति शर्मा बुधवार को मथुरा में

प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंची। उन्होंने करीब आधे घंटे तक आध्यात्मिक चर्चा की। दीप्ती ने बीसीसीआई ने विमेंस ऊ-20 वर्ल्ड कप की जीत के लिए प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद मांगा। प्रेमानंद महाराज ने कहा कि आप का जीवन तपस्वी का जीवन है। संपूर्ण भारत को सुख देने वाला है। कोई खिलाड़ी जीतता है तो खिलाड़ी का नाम पीछे होता है। पहले होता है भारत। जीतते आप हो, खुश पूरे भारतवासी होते हैं। इसलिए व्यसन, व्याभिचार से बचकर अपने अभ्यास को बढ़ाइए। गंदी बातों का त्याग करो। भगवान की कृपा से अपने लक्ष्य को भेदिए। लक्ष्य को चूमिए। दरअसल, इंग्लैंड एंड वेल्स की मेजबानी में 2026 टी-20 वर्ल्ड कप का टूर्नामेंट 12 जून से शुरू होगा। इसका फाइनल 5 जुलाई को खेला जाएगा। बीसीसीआई ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम इंडिया का 15 सदस्यीय स्क्वाड घोषित कर दिया है। इसमें दीप्ती शर्मा का भी नाम है। संत प्रेमानंद महाराज ने क्रिकेटर दीप्ति शर्मा से कहा कि हम आशीर्वाद देने लायक हैं। प्रार्थना करने लायक हैं। प्रार्थना सबसे की जा सकती है। हम किसी के आशीर्वाद के मोहताज न बने। अपने अभ्यास और संयम के द्वारा विजय श्री को प्राप्त करें। किसी का आशीर्वाद और श्राप हमारे मार्ग में कोई बाधा नहीं डाल सकता। हमारे मार्ग में हमारा अभ्यास, हमारी एकाग्रता और उल्लास सहयोगी होगा। ये हमारा काम करेगा। अगर हम एकाग्र न हों और अभ्यास न करें। सोंचे की भगवान की कृपा से हमारी गोली दुश्मन के सीने में लग जाए। तो नहीं लगेगी। आपने अभ्यास किया तो एक सेकेंड में गोली दुश्मन के सीने में लग जाएगी। हमारे ऊपर कृपा है, जो हमें मनुष्य शरीर दिया। बुद्धि दी। सब आशीर्वाद हमारे साथ है। हमको अभ्यास करना है। जिस खेल में लगो, जी जान से उसका अभ्यास करना है। एकाग्रता पूर्वक नकारात्मक विषय का त्याग करो। तब देखो सब उन्नतिशील होते जाएगा। महिला वर्ल्ड कप जीतने से पहले गईं थी दीप्ति दीप्ति शर्मा 2025 में महिला वर्ल्ड कप जीतने पहले भी प्रेमानंद महाराज की शरण में गई थीं। दीप्ति ने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके चलते उन्हें प्लेयर ऑफ सीरीज बनी थीं। जीत के बाद उनका आगरा में भव्य स्वागत किया गया था। विराट कोहली प्रेमानंद महाराज के भक्त संत प्रेमानंद महाराज के विराट-अनुष्का समेत तमाम सेलिब्रिटी भक्त हैं। पिछले महीने 16 अप्रैल को भी विराट पत्नी अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन करने आए थे। राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू, संघ प्रमुख मोहन भागवत, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी आशीर्वाद पा चुके हैं। सिंगर बी प्रॉक भी उनके भक्त हैं। प्रेमानंद महाराज का व्यक्तित्व ऐसा है कि मुस्लिम भी उनके फैन हैं। पाकिस्तान में भी लोग उन्हें सुनते हैं। रेसलर और सीओ से एएसपी प्रमोट हुए अनुज चौधरी भी उनकी शरण में पहुंचे। पाप-पुण्य कर्म को समझा।

'बैटमैन इफेक्ट' से प्रदर्शन सुधार रहे खिलाड़ी,खुद को सुपरहीरो जैसा मानते हैं तो नतीजे बेहतर,सफलता के लिए अपनाएं 'ऑल्टर ईगो

रस्टिन डॉड.। आज की तेज और प्रतिस्पर्धी दुनिया में सफलता सिर्फ प्रतिभा से नहीं मिलती, बल्कि मानसिक मजबूती भी उतनी ही जरूरी है। इसी मानसिक मजबूती के लिए खेल की दुनिया में एक दिलचस्प तरीका सामने आया है- 'ऑल्टर ईगो', यानी खुद को कुछ समय के लिए किसी और के रूप में देखना और उसी तरह व्यवहार करना। यह तरीका न सिर्फ खिलाड़ियों, बल्कि आम लोगों के लिए भी फायदेमंद साबित हो रहा है। एनबीए के स्टार खिलाड़ी शाई गिलगेयस-अलेक्जेंडर की कहानी इसका बेहतरीन उदाहरण है। जब वे 13 साल के थे, तब उनकी सबसे बड़ी समस्या थी उनकी कम हाइट। करीब 5 फुट 6 इंच के इस खिलाड़ी को उनके कोच ने एक अनोखी सलाह दी कि खुद को स्टार एलन आइवरसन की तरह सोचो और खेलो। शुरुआत में यह सिर्फ एक खेल जैसा लगा, लेकिन धीरे-धीरे यह उनकी ताकत बन गया। उन्होंने डरना छोड़ दिया और आत्मविश्वास के साथ खेलना शुरू किया। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि विज्ञान भी इसे सही ठहराता है। मनोवैज्ञानिकों ने एक प्रयोग में बच्चों को अलग-अलग तरीकों से काम करने को कहा। कुछ बच्चों ने खुद के बारे में सोचा, कुछ ने अपने नाम से खुद को देखा, और कुछ बच्चों को बैटमैन या डोरा बनने का मौका दिया गया। नतीजा चौंकाने वाला था, जो बच्चे किरदार में थे, उन्होंने सबसे ज्यादा मेहनत की। इस प्रयोग को 'बैटमैन इफेक्ट' कहा गया। दरअसल, जब हम खुद से दूरी बनाकर किसी और की तरह सोचते हैं, तो डर और झिझक कम हो जाती है। यही कारण है कि कई बड़े खिलाड़ी इस टेक्निक का इस्तेमाल करते हैं। महान बास्केटबॉल खिलाड़ी कोबे ब्रायंट ने अपने लिए 'ब्लैक मांबा' नाम का किरदार बनाया था। इस किरदार में वे खुद को ज्यादा फोकस्ड और आक्रामक महसूस करते थे। इसी तरह पूर्व बास्केटबॉल खिलाड़ी स्टीव केर ने भी खुद को किसी और खिलाड़ी की तरह सोचकर खेला, जिससे आत्मविश्वास बढ़ा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तरीका हमारे दिमाग को नई दिशा देता है। जब हम खुद को किसी मजबूत, आत्मविश्वासी व्यक्ति की तरह देखते हैं, तो हमारा व्यवहार भी वैसा ही होने लगता है। धीरे-धीरे यह आदत असली जिंदगी में भी असर दिखाने लगती है। परीक्षा और इंटरव्यू में भी काम आता है यह तरीका-यह तरीका सिर्फ खिलाड़ियों के लिए नहीं है। अगर कोई छात्र परीक्षा से डरता है, तो वह खुद को एक आत्मविश्वासी छात्र के रूप में देख सकता है। अगर कोई व्यक्ति इंटरव्यू में घबराता है, तो वह खुद को एक सफल प्रोफेशनल की तरह सोच सकता है।

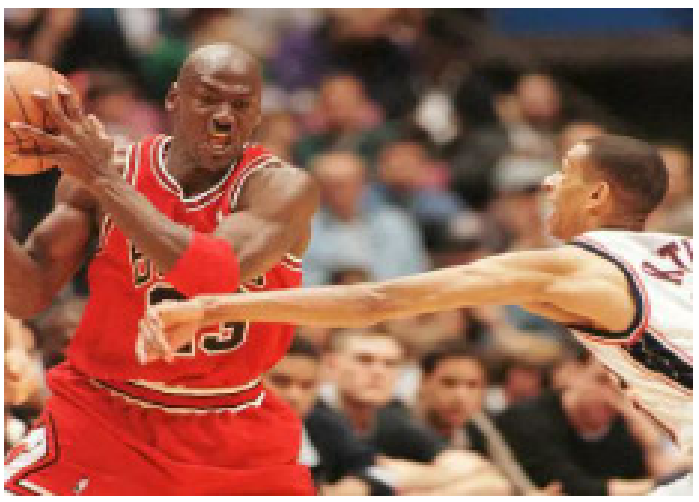

ब्रिटेन में भी लोकप्रिय हो रहा कैरम,इवेंट और क्लबों में उमड़ रही भीड़,समुदायों और लोगों को जोड़ने का आसान साधन

लंदन। भारत में जहां ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती लोकप्रियता के बीच कैरम, शतरंज जैसे खेलों के प्रति युवाओं का रुझान थोड़ा घटा है, वहीं ब्रिटेन में इसके उलट हो रहा है। ब्रिटेन में पारंपरिक दक्षिण एशियाई खेल कैरम तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जहां यह केवल एक खेल नहीं बल्कि कम्युनिटी कनेक्शन का नया माध्यम बन गया है। लंदन समेत कई शहरों में कैरम नाइट्स और क्लब्स में भारी भीड़ उमड़ रही है। कई इवेंट्स के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सैकड़ों लोग भाग लेते हैं। लंदन के नॉटिंग हिल स्थित ढिशूम परमिट रूम में आयोजित एक कैरम नाइट में खेल शुरू होने से पहले ही माहौल उत्साह से भर जाता है। खिलाड़ी और दर्शक चाय पीते हुए, बातचीत करते हैं और बोर्ड पर स्ट्राइकर

की आवाज गूंजती रहती है। ब्रिटेन में कैरम से जुड़े आयोजनों की लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक इवेंट के लिए 800 लोगों ने टिकट पाने की कोशिश की, जबकि जगह सिर्फ 44 लोगों के लिए थी।युवाओं में ऑफलाइन सोशल कनेक्शन की चाह बढ़ी-कैरम की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे मुख्य कारण लोगों की ऑफलाइन सोशल कनेक्शन की चाह है। सोशल मीडिया और डिजिटल थकान के बीच खासकर युवा अब ऐसे प्लेटफॉर्म खोज रहे हैं जहां वे आमने-सामने मिल सकें, बातचीत कर सकें और आरामदायक माहौल में समय बिता सकें।

ब्रिटेन में कैरम का उभार केवल एक खेल की वापसी नहीं, बल्कि सामाजिक जुड़ाव की नई लहर की तरह देखा जा रहा है।

कैरम कम्युनिटी में 12 हजार से ज्यादा लोग जुड़े- ब्रिटेन में कैरम के तेजी से लोकप्रिय होने के पीछे 31 वर्षीय अब्दुस खान का बड़ा योगदान है।

खान ने 'कैरम' नाम से एक कम्युनिटी की शुरुआत की। इसमें अब 12,000 से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं। बांग्लादेशी मूल के खान के लिए, कैरम के प्रति आकर्षण की जड़ें उनके बचपन से जुड़ी हैं।

हालांकि भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और यहां तक ??कि यमन में कैरम की असली शुरुआत को लेकर व्यापक विवाद हैं। लेकिन, खान का कहना है कि इस खेल का महत्व भूगोल से कहीं अधिक है।

शादी के 10 साल बाद पिता बने सूर्यकुमार यादव,पत्नी देविशा ने बेटी को जन्म दिया,आरसीबी के खिलाफ मैच में खेलना अभी तय नहीं

नयी दिल्ली। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी देविशा ने बेटी को जन्म दिया है। यह बेटी दोनों की पहली संतान है। मार्च में देविशा के बेबी शॉवर का वीडियो वायरल हुआ था। 35 साल के सूर्यकुमार यादव ने 2016 में देविशा शेट्?टी से लव मैरिज की थी। कॉलेज के दिनों में एक डांस परफॉर्मेंस के दौरान सूर्या ने देविशा को देखा और पसंद करने लगे थे। सूर्या आईपीएल में मुंबई इंडियंस से खेल रहे हैं, जिसका अगला मुकाबला 10 मई को रायपुर में होना है। सूर्या का खेलना तय नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूर्या टीम के साथ रायपुर नहीं गए हैं। देविशा से शादी के बाद सूर्यकुमार यादव की किस्मत बदल गई। उन्होंने ईएसपीएन क्रिकइंफो को दिए एक इंटरव्यू में कहा था- '2018 तक मेरा चयन जब भारतीय टीम में नहीं हुआ तो मैं काफी परेशान रहने लगा। तब देविशा ने मुझे संभाला। उसका कहना था कि तुम इन सब बातों पर ध्यान नहीं दो, बस खुद पर फोकस करो। धीरे-धीरे सब अच्छा होगा। उसने मुझे कभी फ्रस्टेट नहीं होने दिया। सबसे अच्छी बात ये थी कि हम प्रॉब्लम नहीं सोल्यूशन ढूंढते थे कि कैसे मैं और बेहतर कर सकता हूं। वो मुझे केवल अपने भविष्य पर ध्यान देने को कहती थी और उसे बेहतर बनाने पर जोर देती थी। मैं जब भी घर पर रहता था, कभी निराश नहीं हुआ।' सूर्या ने कहा था- मेरी असली कोच मेरी वाइफ-सूर्या ने कहा था- 'मेरी असली कोच मेरी वाइफ है, वो ना होती तो शायद मैं यहां तक नहीं पहुंचता। सूर्या ने आगे कहा कि मुझे शादी से पहले तक पता ही नहीं था कि सही डाइट क्या होती है। मुझे जो पसंद आता था वो खाता था। चाहे वो बिरयानी हो या फिर आइसक्रीम, लेकिन 2018 से मैं इस ओर ध्यान देने लगा और इसका सारा क्रेडिट मेरी पत्नी को जाता है। जब डाइट ना करने से मेरे शरीर पर असर होने लगा तो मेरी बात देविशा से हुई।

शोर का प्रदूषण एक 'साइलेंट' संकट, यह लगातार प्रभावित कर रहा है

साल 2012 में मुझे फ्रांस के प्रतिष्ठित पास्चर इंस्टीट्यूट में वैक्सीनोलॉजी का अध्ययन करने का अवसर मिला। वहां के कोर्स डायरेक्टर्स से मेरे अच्छे संबंध बन गए थे। कुछ वर्षों बाद जब वे भारत आए, तो मैंने उन्हें एक जाने-माने 'फाइन डाइनिंग' रेस्तरां में डिनर पर आमंत्रित किया। सब कुछ व्यवस्थित था-खाना, माहौल, सेवा- लेकिन एक चीज ने पूरे अनुभव को असहज बना दिया : शोर।

मेरे मेहमान बातचीत करने में असुविधा महसूस कर रहे थे। उसी दिन मुझे एहसास हुआ कि हम अपने आसपास शोर के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि उसकी समस्या पर गौर तक नहीं करते। आज भारत के शहरों में शोर केवल एक कोलाहल भरी पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि स्थायी वास्तविकता बन चुका है। सड़कों पर वाहनों के हॉर्न, अनवरत हो रहे निर्माण कार्यों की आवाज और सार्वजनिक स्थलों का अनियंत्रित ध्वनि स्तर- ये सब मिलकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जो धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है।भारतीय शहर दुनिया के सबसे शोरगुल वाले शहरों में गिने जाते हैं। दिल्ली में शोर का औसत स्तर लगभग 75 डेसिबल तक पहुंच चुका है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन दिन के समय 55 डेसिबल की सीमा को सुरक्षित मानता है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु जैसे महानगरों में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है- अधिकांश क्षेत्रों में शोर का स्तर 65 से 75 डेसिबल के बीच रहता है और व्यस्त समय में यह 90 से 100 डेसिबल तक पहुंच जाता है।चिंताजनक बात यह है कि हम मौसमी चुनौतियों- जैसे कि सर्दियों में वायु प्रदूषण, गर्मियों में जल संकट और हीट वेव, या ठंड के मौसम में कोल्ड वेव पर तो बात करते हैं- लेकिन ध्वनि प्रदूषण- जो साल भर रहता है- उस पर कम ध्यान दिया जाता है। जबकि लंबे समय तक 70 डेसिबल से अधिक शोर के सम्पर्क में रहने से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।हर 10 डेसिबल की वृद्धि के साथ हृदय संबंधी जोखिम लगभग 8 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। बच्चों में सीखने की क्षमता प्रभावित होती है, गर्भवती महिलाओं में जटिलताएं बढ़ती हैं और बुजुर्गों में नींद की समस्या आम हो जाती है। भारत में 6 करोड़ से अधिक लोग सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं और ध्वनि प्रदूषण इसका एक बड़ा कारण बनता जा रहा है।शोर का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, यह हमारी उत्पादकता, मानसिक संतुलन और सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित करता है। लगातार शोर में रहने वाला व्यक्ति अधिक चिड़चिड़ा, थका हुआ और ध्यान केंद्रित करने में कम सक्षम होता है। ऐसे में समाज की समग्र कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। वैसे हमारे पास नियमों की कमी नहीं है।पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत ध्वनि प्रदूषण (नियमन एवं नियंत्रण) नियम बनाए गए थे। लेकिन समस्या नियमों की नहीं, उनके पालन की है। सड़कों पर अनावश्यक हॉर्न बजाना, देर रात तक डीजे या लाउडस्पीकर का उपयोग और निर्माण स्थलों पर समय-सीमा का उल्लंघन- ये सब आम हो चुके हैं। कानूनों का सख्त पालन सुनिश्चित करना होगा। जागरूकता बढ़ानी भी उतनी ही जरूरी है।स्कूलों और कॉलेजों में संदेश देना होगा कि हॉर्न बजाना मजबूरी नहीं, आदत है- और इसे बदला जा सकता है। शहरी नियोजन में भी बदलाव जरूरी है।

नॉइज़ बैरियर, ग्रीन कॉरिडोर और ईवी को बढ़ावा देना इस दिशा में सहायक हो सकते हैं। जिस तरह हम वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को नियमित देखते हैं, उसी तरह शोर के स्तर की रियल-टाइम मॉनिटरिंग भी शुरू की जानी चाहिए। क्योंकि शोर प्रदूषण एक ऐसा साइलेंट संकट है- जो धीरे-धीरे हमें प्रभावित करता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया)

युद्ध के नियमों को नए सिरे से परिभाषित किया है हमने

6-7 मई 2025 की रात को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। यह 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया एक सुनियोजित और समयबद्ध सैन्य अभियान था। इसके बाद अगले 88 घंटों में जो कुछ हुआ, वह भारत के नए और पूरी तरह से विकसित रणनीतिक सिद्धांत का प्रदर्शन था : एक ऐसा सिद्धांत, जिसे स्पष्ट उद्देश्य, तकनीकी आत्मनिर्भरता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और राष्ट्र की एकजुटता से परिभाषित किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु हथियारों से लैस पड़ोसी देशों के बीच सैन्य टकराव के नियमों को फिर से लिखा और एक ऐसी मिसाल कायम की, जो आने वाले कई दशकों तक दक्षिण एशिया की सुरक्षा की दिशा तय करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पहली बार भारत ने एक ऐसे दुश्मन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की, जो असल में एक ही मोर्चे पर दो देशों- पाकिस्तान और चीन की संयुक्त ताकत के रूप में सामने आया था।

चीन ने यों तो खुद को इस मामले से अलग रखा, लेकिन उसने पाकिस्तान को सक्रिय उपग्रह खुफिया जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में सहायता, साइबर सहायता और पीएल-15 जैसी दृष्टि-सीमा से परे (बीवीआर) मिसाइलों सहित अग्रिम मोर्चे के सैन्य साजो-सामान उपलब्ध कराए थे। आधुनिक संघर्षों की एक प्रमुख विफलता- रूस-यूक्रेन युद्ध के पांच साल लंबे संघर्ष से लेकर पश्चिम एशिया के मौजूदा युद्ध क्षेत्र तक- यह रही है कि इनमें बाहर निकलने की कोई रणनीति नहीं होती।ऐसे अभियान, जिनका कोई निश्चित अंत न हो, अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर करते हैं, जनता का मनोबल गिराते हैं तथा न तो जीत दिलाते हैं और न ही शांति। ऑपरेशन सिंदूर ने सोच-समझकर इस जाल से खुद को बचाया। उसने वह कर दिखाया जो बहुत कम आधुनिक सेनाएं कर पाती हैं : पहली मिसाइल दागे जाने से पहले ही सफलता की परिभाषा तय कर लेना। भारत इस अभियान में अपने उद्देश्य को लेकर पूरी तरह स्पष्ट था : आतंकी ढांचे और उसे पनाह देने वालों को खत्म करना और अपनी शर्तों पर बाहर निकल आना- जिसमें किसी भी तरफ आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पर्याप्त खुफिया जानकारी के आधार पर 9 लक्ष्य तय किए थे। इनमें से प्रत्येक को लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी इको-सिस्टम को बनाए रखने में उनकी विशिष्ट भूमिका के लिए चुना गया था।

पहला हमला सिर्फ 23 मिनट में पूरा कर लिया गया। पूरा अभियान 88 घंटों के अंदर खत्म हो गया। इसके बाद भारत ने दुश्मन को अपनी शर्तों पर युद्धविराम के लिए मजबूर कर दिया। यह सिद्धांत- यानी एक उद्देश्य के साथ प्रवेश करना, सटीकता के साथ कार्य करना और बिना किसी अतिरेक के बाहर निकलना- नियंत्रित युद्ध की एक ऐसी शैली है, जिसका प्रदर्शन आधुनिक सैन्य इतिहास में विरले ही देखने को मिलता है। ऑपरेशन सिंदूर के भौगोलिक दायरे ने भी पिछली सीमाओं को तोड़ा। भारत ने अपने शुरुआती हमले सिर्फ पीओके तक ही सीमित नहीं रखे, बल्कि वह पाकिस्तान के मुख्य भूभाग पंजाब के भी काफी अंदर तक पहुंच गया। भारतीय सीमा से 140 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर बेहद सटीक हमले किए गए।

संदेश स्पष्ट था : कोई भी ठिकाना हमारी पहुंच से बाहर नहीं है। इन हमलों ने पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों की कमान-व्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर दिया। सबसे अहम बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल की पोल खोल दी। जबकि दशकों से पाकिस्तान की परमाणु छत्रछाया का इस्तेमाल राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को छूट देने के लिए किया जाता रहा था।काम अभी खत्म नहीं हुआ है। रक्षा बजट में चरणबद्ध तरीके से जीडीपी के 3 प्रतिशत तक की वृद्धि करनी होगी। रणनीतिक अनिवार्यता यह सुनिश्चित करने में है कि ऑपरेशन सिंदूर से हुए लाभ को कभी कम न होने दिया जाए।(ये लेखक के अपने विचार हैं,अनिल चौपड़ा)

कूटनीति से कारोबार के मेल की ट्रम्प-शैली अनुचित है

यदि कोई नेता अहम कूटनीतिक जिम्मेदारियां अपने परिजनों और बिजनेस साझेदारों को सौंप दे तो ज्यादातर लोकतांत्रिक देशों में उसे भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। लेकिन ट्रम्प को ऐसा करने पर बहुत कम विरोध झेलना पड़ा है। कई लोग उनकी इस 'क्रोनी डिप्लोमेसी' को गैर-पारम्परिक कार्यशैली कह देते हैं। लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर हैं। विदेश मंत्री या पेशेवर कूटनीतिज्ञों पर भरोसा करने के बजाय ट्रम्प ने अहम जिम्मेदारियां अपने दामाद जैरेड कुश्नर और बिजनेस-पार्टनर स्टीव विटकॉफ को सौंप दी हैं।कुश्नर ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी वरिष्ठ सलाहकार थे और इजराइल तथा अरब देशों के बीच अब्राहम समझौता कराने में उनकी भूमिका रही थी। कुश्नर और विटकॉफ यूक्रेन, गाजा और ईरान पर वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन दोनों के पास ही जटिल और महत्वपूर्ण कूटनीतिक चुनौतियां हल करने का कोई पिछला अनुभव नहीं है। फिर, दोनों के हितों का टकराव भी साफ नजर आ रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) के साथ एक विवादित निवेश समझौता किया था। इस कंपनी के सीईओ विटकॉफ के बेटे जैक हैं और कंपनी में ट्रम्प और विटकॉफ परिवार की मालिकाना हिस्सेदारी है। इस साल जनवरी में इसी कंपनी से जुड़ी एक इकाई ने पाकिस्तान के साथ एक और समझौता किया। यह कंपनी द्वारा स्टेबलकॉइन शुरू करने को लेकर था, जिसका सीमा पार लेनदेन के लिए इस्तेमाल हो सके।लेकिन यूएस-ईरान के बीच पाकिस्तान में ही वार्ता हुई है और पाकिस्तान वार्ता का मध्यस्थ भी था। जब अलग-अलग पक्ष एक इलाके में भू-राजनीतिक परिणाम तय कर रहे हों और कारोबार के अवसर भी तलाश रहे हों तो कूटनीति बाजार जैसी लगने लगती है। पहुंच, प्रभाव और मुनाफा आपस में जुड़ी चीजें हैं। अब कुश्नर की बात करें तो ट्रम्प के पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने 'एफिनिटी पार्टनर्स' नाम की एक निजी इक्विटी फर्म शुरू की और खाड़ी देशों की राजशाहियों से अरबों डॉलर जुटाए। इसमें सऊदी अरब के सॉवरेन वेल्थ फंड के करीब 2 अरब डॉलर भी शामिल हैं।यानी, कुश्नर सऊदी पूंजी पर निर्भर हैं, लेकिन इसके बावजूद उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे ईरान के साथ संबंध सुधारने पर बातचीत करेंगे। जबकि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान कथित तौर पर ट्रम्प से युद्ध जारी रखने की गुहार लगा रहे हैं। कुश्नर और विटकॉफ के हितों के टकराव और विदेश नीति में उनकी अनुभवहीनता अपने आप में यह बताती है कि क्यों ट्रम्प ने उन्हें आधिकारिक कूटनीतिक पदों पर नियुक्त नहीं किया।विशेष दूतों को सीनेट द्वारा पुष्टि की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। पेशेवर कूटनीतिज्ञों की तरह उन पर नैतिक नियमों और संसद की निगरानी की बाध्यता भी नहीं होती। ऐसे में कुश्नर और विटकॉफ अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर सकते हैं और बिना जवाबदेही के अमेरिका की ओर से बातचीत भी कर सकते हैं। ट्रम्प के सहयोगी लैरी एलिसन भी 'टिकटॉक' में निवेश से मोटा फायदा कमा चुके हैं।

ट्रम्प के बेटों एरिक और डोनाल्ड जूनियर ने भी हाल ही में 'पावरस' नामक ड्रोन कंपनी जॉइन की है। वे अपने पिता द्वारा शुरू किए युद्ध में ईरान के हमलों का जवाब देने के लिए खाड़ी देशों को ड्रोन इंटरसेप्टर बेचने की जुगत में हैं। अब तो ईरान युद्ध को लेकर संभावित इनसाइडर ट्रेडिंग की खबरें भी सामने आ रही हैं।बताया जाता है कि ट्रम्प के बाजार को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयानों से ठीक पहले बड़े दांव लगाए गए। ऐसे घोटाले किसी भी पिछली अमेरिकी सरकार को गिरा सकते थे या कम से कम तत्काल जांच शुरू करा सकते थे, पर ट्रम्प शासन में वो आम बात हो गए हैं।यूएस-ईरान के बीच पाकिस्तान में ही वार्ता हुई और वह वार्ता का मध्यस्थ भी था। जब अलग-अलग पक्ष ए क इलाके में भू-राजनीतिक परिणाम तय कर रहे हों और कारोबार के अवसर भी खोज रहे हों तो कूटनीति बाजार जैसी लगने लगती है।(प्रोजेक्ट सिंडिकेट, ब्रह्मा चेलानी)

ममता के 'राजहठ' का क्या कारण है?

ममता बनर्जी ने एक बार फिर अप्रत्याशित कदम उठाया है। बंगाल की पराजित मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि वे इस्तीफा नहीं देंगी। उनका आरोप है कि चुनाव में वोटों की लूट हुई और मतदाता-सूचियों से उनके समर्थकों के नामों को हटाया गया। लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण पहलू उनका यह कथन है कि वे इंडिया गठबंधन के लिए काम करेंगी।जबकि अतीत में इस गठबंधन से उनका संबंध डावांडोल रहा है। किसी लोकप्रिय और शक्तिशाली नेता की हार का क्षण हमेशा ही बहुत आवेगपूर्ण होता है। 1977 में जब आम चुनाव के नतीजे आ रहे थे, तो निराश इं?दिरा गांधी ने अपनी मित्र पुपुल जयकर से कहा था- 'पुपुल, मैं हार गई।' दोनों महिलाएं साथ-साथ चुपचाप बैठी रहीं। कुछ ही मिनटों में उस समय की दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक अचानक असुरक्षित हो गई थीं।बाहर बज रहे ढोल-नगाड़े अब उनकी प्रशंसा नहीं कर रहे थे, बल्कि उनकी विदाई का जश्न मना रहे थे। जबकि 1977 के ये चुनाव स्वयं इंदिरा ने ही तब आयोजित करवाए थे, जब देश में अभी आपातकाल लागू था। उत्तर भारत में उनकी पार्टी का सफाया हो गया, यहां तक कि वे अपनी सीट भी हार गईं।स्थापित परम्परा के अनुसार, इंदिरा ने इस्तीफे की घोषणा की और फिर तत्कालीन कार्यवाहक राष्ट्रपति बसप्पा दानप्पा जट्टी को त्यागपत्र सौंपने पहुंचीं। हालांकि उन्होंने उनसे वैकल्पिक व्यवस्था होने तक पद पर बने रहने का अनुरोध किया।पूर्व प्रधानमंत्री इंद्रकुमार गुजराल ने एक बार कहा था कि भारत के लोकतंत्र की असाधारण दृढ़ता का एक कारण यह भी है कि चुनावों के बाद वह एक सरकार से दूसरी में शांतिपूर्ण और बिना हिंसा या प्रतिरोध के सुचारु संक्रमण कर पाता है। गुजराल 1996 की ओर संकेत कर रहे थे। तब नरसिंहराव के नेतृत्व वाली कांग्रेस आम चुनाव हार गई थी और वाजपेयी की अगुवाई में भाजपा की सरकार बनी थी। लेकिन वह भी मात्र 13 दिनों में गिर गई, क्योंकि वे बहुमत जुटाने में असफल रहे थे। इसके बाद देवगौड़ा के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा की सरकार बनी। संसद में नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिले और सत्ता के गलियारों में परदे के पीछे की गतिविधियां चलती रहीं। लेकिन इन सबके बावजूद, सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्वक और सुचारु रूप से ही हुआ।लेकिन यह पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने चुनाव हारने के बाद पद छोड़ने से इनकार किया है। इससे एक पेचीदा स्थिति उत्पन्न हो गई है। बंगाल विधानसभा का कार्यकाल आज समाप्त हो रहा है। इसी दिन मुख्यमंत्री का कार्यकाल भी समाप्त हो जाएगा और विधिक एवं संवैधानिक विशेषज्ञों की राय है कि उन्हें पद छोड़ना होगा।यदि वे ऐसा नहीं करतीं, तो राज्यपाल उन्हें बर्खास्त कर सकते हैं और विजयी दल के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं। इंदिरा गांधी के विपरीत- जिन्होंने तत्काल इस्तीफे की घोषणा की थी और फिर जनता सरकार के खिलाफ वापसी की लड़ाई लड़ने में जुट गई थीं- ममता ने तुरंत आक्रामक रुख अपनाने का विकल्प चुना है।ऐसा नहीं है कि एसआईआर प्रक्रिया के संचालन के तरीके पर उनकी आपत्ति पूरी तरह निराधार है। जल्दबाजी में इसे अंजाम दिया गया और इसके कारण लगभग 27 लाख मतदाता वोट नहीं डाल सके, क्योंकि उनके मामलों का निपटारा नहीं हो पाया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे कहा कि वे अगली बार मतदान कर सकते हैं।जाहिर है कि इस पूरी प्रक्रिया को और बेहतर ढंग से हैंडल किया जा सकता था। लेकिन यह तो समय ही बताएगा कि इस्तीफा न देकर ममता ने दूरदर्शिता दिखाई है या नहीं। यह ऐसा कदम है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। यह एक अनावश्यक मिसाल कायम करता है, क्योंकि इसके बाद भविष्य में और मुख्यमंत्री (और सम्भवतः प्रधानमंत्री भी) आसानी से अपने उत्तराधिकारी के लिए रास्ता छोड़ने से इनकार कर सकते हैं।भारत जैसे विशाल देश में चुनावी प्रक्रिया की शुचिता पर प्रश्न लगातार उठते रहते हैं और लगभग हर चुनाव में वोट चोरी के आरोप किसी न किसी रूप में सामने आते रहे हैं। लेकिन इसके विरोध में अन्य उपाय भी उपलब्ध हैं- जैसे चुनाव याचिका दायर करना या जनमत तैयार करना।हालांकि चुनाव याचिकाएं- अदालतों में लगने वाले लंबे समय के कारण- अब तक बहुत प्रभावी उपाय साबित नहीं हुई हैं। 1971 में राज नारायण ने तब इं?दिरा गांधी की जीत को चुनौती दी थी, जब वे अपने उत्कर्ष पर थीं। इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले ने उन्हें चुनावी अनियमितताओं का दोषी ठहराया था और इसके जवाब में इंदिरा ने इमरजेंसी लगाई थी।महत्वपूर्ण यह है कि 1971 से 1975 तक फैसला आने में चार वर्ष लग गए थे। आज विभिन्न संस्थाओं के बीच का संतुलन पहले ही भारी दबाव में है। देश में बढ़ती और तीखी होती ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति- जो पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान एक बार फिर सामने आई- इस पर और अधिक तनाव डालने वाली है। ममता भली-भांति जानती हैं कि वे मुख्यमंत्री नहीं बनी रह सकतीं।लेकिन उन्होंने स्पष्टतः राजनीतिक कारणों से यह कदम उठाया है। वे पार्टी कैडर का मनोबल बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं, जो ऐसी हार के बाद स्वाभाविक रूप से गिर सकता है। कैडर-राज ही टीएमसी की रीढ़ है। 2011 में जब वे सत्ता में आईं, तब से यह एक समानांतर व्यवस्था की तरह काम कर रहा है। लेकिन इस बार भाजपा ने इस ढांचे में सेंध लगा दी है।ऐसे में ममता अपने समर्थकों को संदेश दे रही हैं कि वे इतनी आसानी से हार मानने वाली नहीं हैं और वापसी करेंगी। बंगाल के जनादेश को स्वीकार न करके, वे स्वयं को भविष्य की राजनीतिक लड़ाइयों के लिए पुनः स्थापित करने की कोशिश कर रही हैं। यदि ममता चौथी बार भी जीत जातीं तो वे इंडिया गठबंधन के नेतृत्व की स्वाभाविक दावेदार होतीं।लेकिन पराजय में भी वे खुद को एक प्रमुख भूमिका में दिखना चाहती हैं- एक हारी हुई नेता के रूप में नहीं, बल्कि ऐसी पीड़िता के रूप में जिनके साथ अन्याय हुआ है। हालांकि कांग्रेस ने केरल में जीत हासिल की है, लेकिन उसे पता है कि 2027-28 में होने वाले चुनावों में उसके सामने बड़ी चुनौतियां हैं। राहुल गांधी ने जिस तरह से अंतिम क्षणों में ममता बनर्जी का समर्थन करने की अपील की, उसे भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।स्पष्टतः राजनीतिक कारणों से उठाया गया कदम... ममता जानती हैं कि वे मुख्यमंत्री नहीं बनी रह सकतीं। लेकिन उन्होंने स्पष्टतः राजनीतिक कारणों से यह कदम उठाया है। वे पार्टी कैडर का मनोबल बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं, जो ऐसी हार के बाद स्वाभाविक रूप से गिर सकता है। कैडर ही टीएमसी की रीढ़ है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,नीरजा चौधरी)

सम्राट कैबिनेट- नीतीश के बेटे समेत 32 मंत्री बने,पीएम ने पूर्व सीएम को बुलाया,नीतीश ने प्रधानमंत्री के कंधे पर हाथ रखा

पटना। सम्राट चौधरी के सीएम बनने के 22 दिन बाद आज गुरुवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया। मेगा इवेंट में नीतीश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 मंत्री सम्राट कैबिनेट में शामिल हुए। नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, एलजेपी (आर)-2, एचएएम और आरएलएम से एक-एक मंत्री हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली है। पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं। समारोह में पीएम मोदी भी शामिल हुए हैं। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाया। मंच पर उनसे हाथ मिलाया, इस दौरान नीतीश कुमार ने पीएम का कंधा पकड़कर हिला दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में सीधे राष्ट्रगान बजाया गया, जबकि प्रोटोकॉल के हिसाब से पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम् बजाया जाना था। दो बार बिहार के स्वास्थ्य मंत्री रहे मंगल पांडेय इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली है, खबर है कि पार्टी में उन्हें बड़ी जगह दी जाएगी। मंत्रिमंडल विस्तार से जुड़े हाईलाइट्स- जेडीयू से 3 नए चेहरे- निशांत कुमार, बुलो मंडल और श्वेता गुप्ता। बीजेपी से 5 नए चेहरे- मिथिलेश तिवारी, रामचंद्र पासवान, अरूण शंकर प्रसाद, नंद किशोर राम और इंजीनियर शैलेंद्र। सम्राट सरकार का जातीय समीकरण- ईबीसी-9, ओबीसी-9, दलित-7, सवर्ण-9 और मुस्लिम-1। सम्राट कैबिनेट में 5 महिला मंत्री, इनमें सबसे ज्यादा जदयू से 3 मंत्री हैं। गांधी मैदान में 3 स्टेज बनाए गए। बीजेपी ऑफिस के बाहर हरे राम-हरे कृष्ण का भजन-कीर्तन। पटना में पोस्टर लगे- भगवामय, अंग, बंग और कलिंग।पीएम मोदी के स्वागत के लिए बने मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम। सम्राट कैबिनेट में बीजेपी कोटे से 15 मंत्रियों ने शपथ ली है। इनमें 5 नए चेहरे हैं, वहीं तीन पुराने लोगों को इस बार मौका नहीं मिला। इनमें बीजेपी के सीनियर लीडर मंगल पांडेय, बेगूसराय के बछवाड़ा से विधायक सुरेंद्र मेहता और प. चंपारण से नारायण प्रसाद का नाम शामिल है। मंत्री पद नहीं मिलने के बाद मंगल पांडे को भाजपा संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। पूर्व मंत्री नितिन नवीन की टीम में शामिल होंगे। खबर है कि मंगल पांडे को भाजपा का राष्ट्रीय महासचिव बनाया जा सकता है। साथ ही यूपी चुनाव में प्रभारी भी बनाए जा सकते हैं।

विजय विधायकों का समर्थन दिखाएं, तभी शपथ-तमिलनाडु गवर्नर ने स्थायी सरकार का हवाला दिया,बहुमत के लिए 118 विधायक चाहिए,टीवीके के पास 113

चेन्नई। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली टीवीके के लिए सरकार गठन करना मुश्किल होता दिख रहा है। पार्टी चीफ और एक्टर विजय गुरुवार को लगातार दूसरे दिन राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मिलने लोकभवन पहुंचे। करीब एक घंटे बाद वहां से रवाना हुए। राज्यपाल ने उनसे कहा है कि वे राज्य में स्थिर सरकार चाहते हैं। इसलिए सरकार बनाने का दावा पेश करने से पहले 118 विधायक होने जरूरी हैं। अब सूत्रों ने बताया है कि विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ तभी ले सकेंगे, जब राज्यपाल को 118 विधायकों का समर्थन दिखाएंगे। इस बीच एआईए-डीएमके ने 28 विधायक पुडुचेरी के रिसॉर्ट भेजा दिया है। 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके के पास 108 सीटें हैं। विजय दो सीटों पर जीते हैं, इसलिए एक सीट छोड़ने पर यह 107 रह जाएंगी। कुल सीटें 233 होने पर भी बहुमत 118 ही रहेगा, इसलिए टीवीके को 11 और विधायक चाहिए। कांग्रेस के 5 विधायकों ने उन्हें समर्थन दिया है। डीएमके और एआईए-डीएमके के बीच गठबंधन की चर्चा- मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक-दूसरे की प्रतिद्वंदी डीएमके और एआईए-डीएमके के बीच भी सरकार गठन को लेकर चर्चा चल रही है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों दलों के नेताओं के बीच बैकचैनल बातचीत चल रही है। सूत्रों का कहना है कि एक प्रस्ताव पर चर्चा हुई है, जिसमें एआईए-डीएमके सरकार बनाए और डीएमके बाहर से समर्थन दे। छोटे दलों का समर्थन भी इस फॉर्मूले का हिस्सा हो सकता है। हालांकि अभी तक कोई औपचारिक फैसला नहीं लिया गया है। कांग्रेस सांसद क्रिस्टोफर तिलक ने विजय की पार्टी (टीवीके) के साथ गठबंधन का बचाव करते हुए कहा है कि विजय धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों में गहरा विश्वास रखते हैं, इसलिए कांग्रेस सरकार बनाने के लिए उनका समर्थन कर रही है। हम 'हिंदुत्व ताकतों' के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम चेन्नई में डीएमके विधायकों की बैठक में शामिल होने मुख्यालय पहुंचे। इस घटनाक्रम के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। हाल के दिनों में तमिलनाडु में सरकार गठन और राजनीतिक समीकरणों को लेकर लगातार गतिविधियां देखी जा रही हैं। हालांकि बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा होगी या ओ पन्नीरसेल्वम की मौजूदगी का क्या राजनीतिक महत्व है, इस पर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल सभी दलों की गतिविधियों पर नजर बनी हुई है और आगे के राजनीतिक घटनाक्रम का इंतजार किया जा रहा है।

सुवेंदु बोले- मैंने टीएमसी को हराया, इसीलिए पीए की हत्या,चंद्रनाथ की मां बोलीं- हार का बदला बेटे से लिया-3 हिरासत में

कोलकाता। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि उनके पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने ममता को हराया है। सुवेंदु ने कहा- इस हत्या को जिस तरह से अंजाम दिया गया, उसकी जितनी भी निंदा करें वह कम है। हत्या की वजह भवानीपुर से ममता की हार हो सकती है। उधर चंद्रनाथ की मां ने कहा कि इस हार का बदला मेरे बेटे की हत्या कर लिया गया। कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तारीख के बाद कोई बचा नहीं पाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि रथ को चार गोलियां लगीं थीं। इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। इन्हें कहां से पकड़ा गया, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।चंद्रनाथ की हत्या बुधवार देर रात 10.30 बजे की गई थी। वे कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर लौट रहे थे। कोलकाता से करीब 20 किमी दूर डोलतला में एक कार रथ की स्कॉर्पियो के सामने खड़ी हो गई। इसी बीच बाइक पर आए हमलावरों ने 6 से 10 राउंड फायरिंग की। दो गोलियां चंद्रनाथ के सीने से आर-पार हो गईं। एक गोली पेट में लगी। उनके ड्राइवर बुद्धदेब बेरा को भी गोली लगी। हत्या के बाद हमलावर कार छोड़कर बाइक से फरार हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रनाथ को मृत घोषित कर दिया। उनके ड्राइवर का इलाज जारी है। फोरेंसिक जांच के शुरुआती इनपुट के मुताबिक, हमलावरों ने ग्लॉक 47एक्स पिस्टल का इस्तेमाल किया था। इस मॉडर्न हथियार का इस्तेमाल आम अपराधी नहीं करते। ऐसे हमले को कोई प्रोफेशनल शूटर ही अंजाम दे सकता है। बाइक सवार हमलावर हेलमेट पहने हुए था और बाइक पर नंबर प्लेट नहीं थी। पुलिस ने मौके से वह कार जब्त की है, जिससे स्कॉर्पियो का रास्ता रोका गया था। हालांकि, उस पर लगी नंबर प्लेट फर्जी निकली।

चंद्रनाथ रथ पर फायरिंग के करीब 1 घंटे बाद रात करीब 12.30 बजे बशीरहाट जिले में रोहित रॉय नाम के भाजपा कार्यकर्ता पर फायरिंग हुई। उनकी हालत गंभीर है। राज्य में 4 मई को चुनावी नतीजों के बाद अब तक 5 लोगों की हत्या हो चुकी है। इनमें 3 भाजपा और 2 टीएमसी से जुड़े थे। सुवेंदु अधिकारी ने पीए की हत्या को प्लान्ड मर्डर बताया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि भाजपा बंगाल में गुंडों की सफाई का काम शुरू करेगी। टीएमसी ने सुवेंदु के पीए की हत्या के पीछे अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने के आरोपों का खंडन करते हुए मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। पार्टी ने बुधवार देर रात स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा- 'हम मध्यमग्राम में चंद्रनाथ रथ की निर्मम हत्या की निंदा करते हैं। हम इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं, जिसमें कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच कराई जाए। अन्य भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं की हत्या की भी जांच कराई जाए।'

जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्यक्रम का शुभारंभ पंचायत रिसोर्स सेन्टर में किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्यक्रम का शुभारंभ आज पंचायत रिसोर्स सेंटर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वगणना का यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम आज 7 मई से प्रारंभ होकर 21 मई तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नागरिक अब अपने मोबाइल फोन के माध्यम से स्वयं स्वगणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे गणना प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनेगी। मुख्य विकास अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य 22 मई से प्रारंभ होकर 20 जून तक चलेगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनगणना कार्य को पूर्ण गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाए, ताकि प्रत्येक परिवार एवं व्यक्ति का सही विवरण दर्ज हो सके। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी व आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, पंचायत सहायकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग करते हुए स्वगणना पोर्टल के माध्यम से अपने मोबाइल से स्वयं की गणना कर प्रक्रिया को पूर्ण किये। उपस्थित प्रतिभागियों को मोबाइल ऐप एवं पोर्टल के संचालन संबंधी विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। इसी क्रम में आज माननीय मंत्री जी, विधायकगण एवं अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों के आवास पर अधिकारियों द्वारा पहुंचकर स्वगणना मोबाइल ऐप के माध्यम से उनकी स्वगणना कराई गई। माननीय मंत्री जी ने स्वयं अपने मोबाइल फोन से स्वगणना प्रक्रिया पूर्ण कर नागरिकों से भी इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने जनगणना 2027 को देश के विकास एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी श्री हेमेन्त कुमार सिंह, डी0सी0 मनरेगा श्री रविन्द्र वीर सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी श्री सुधाशुं शेखर शर्मा, डी0सी0 एन0आर0एल0एम0 सरिता सिंह सहित जनपद स्तरीय अधिकारीगण और सम्बन्धितगण उपस्थित रहे।

11 मई 2026 को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विवेक कुमार तिवारी प्रधानाचार्य,राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली द्वारा सूचित किया गया है कि उनके संस्थान में दिनांक 11 मई 2026 को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले का आयोजन किया जा रहा है , जिसमें सिंचाई विभाग (नलकूप खंड) छजलापुर रायबरेली द्वारा, अप्रेंटिस एक्ट 1961 के अंतर्गत कुल 27 सीटों पर 12माह के अप्रेंटिस प्रशिक्षण हेतु विभिन्न आई टी आई ट्रेड - फिटर, इलेक्ट्रिशियन , इलेक्ट्रिशियन पावर डिस्ट्रीब्यूशन , वायरमैन, टर्नर, मशीनिस्ट, मैकेनिक डीजल, ड्राफ्ट्समैन मैकेनिकल, कोपा, स्टेनो हिंदी, वेल्डर आदि के आवेदन फॉर्म अप्रेंटिस मेले के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। उक्त व्यवसाय से आई टी आई उत्तीर्ण अभ्यर्थी अपने हाइस्कूल अंक पत्रों एवं तकनीकी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति ,आधार कार्ड,बैंक पासबुक की फोटो कॉपी, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, आधार की प्रति , पासपोर्ट साइज फोटो आदि लेकर प्रातः 10: 00 बजे से 3:00 बजे तक सम्मिलित हो सकते हैं।

डीएम ने जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना के लिए लोगो से की अपील

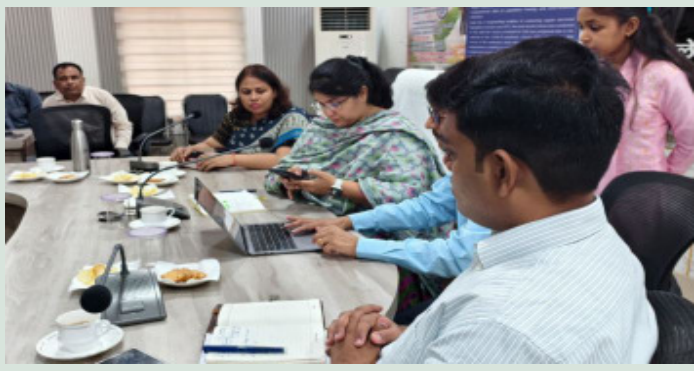

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनगणना 2027 के अंतर्गत आज 07 मई से 21 मई तक संचालित होने वाले स्वगणना कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में वेबसाइट https://se.census.gov.in पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से अपनी स्व-गणना की गई। उन्होंने बताया कि भारत सरकार/राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 इस बार पूर्णतः डिजिटल माध्यम से सम्पन्न कराई जा रही है, जिसमें नागरिकों को स्वगणना की सुविधा प्रदान की गई है। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि भारत सरकार द्वारा जनगणना 2027 का आयोजन किया जा रहा है। इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से होगी और आपको स्वगणना की सुविधा दी गई है। आप स्वयं अपने परिवार एवं घर की जानकारी ऑनलाइन वेबसाइट https://se.census.gov.in पर जाकर भर सकते हैं। यह सुविधा 07 मई से 21 मई 2026 तक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि स्वगणना करते समय अपने मोबाइल नंबर, परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी एवं आवश्यक विवरण तैयार रखें तथा सभी जानकारी सही एवं स्पष्ट दर्ज करें। स्वगणना पूर्ण होने पर आपको एक यूनिक एस0ई0 आई0डी0 प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना अनिवार्य है। यह आईडी आगे सत्यापन (हाउस लिस्टिंग) के समय प्रस्तुत की जा सकती है।जनगणना प्रत्येक नागरिक की भागीदारी का महत्वपूर्ण अभियान है आपकी सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इससे पूर्व अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह द्वारा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को स्वगणना के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी गई। मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बृजेश तिवारी सहित सम्बन्धित अधिकारी व कलेक्ट्रेट कार्मिक उपस्थित रहें।

डीएम ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा मरीज़ों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई, दवा वितरण, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं एवं मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर, ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड सहित समस्त वार्ड, दवा वितरण कक्ष, पैथोलॉजी तथा रजिस्ट्रेशन काउंटर का गहन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके तीमारदारों से बातचीत कर उपचार, दवा उपलब्धता एवं चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा नियमित रूप से सैनिटाइजेशन एवं सफाई कार्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अस्पताल में पेयजल, शौचालय एवं प्रतीक्षालय की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को समय से उपस्थित रहकर पूरी संवेदनशीलता के साथ मरीजों का उपचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। दवा वितरण कक्ष में दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि मरीजों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा अस्पताल में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार किया जाए।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल (पुरुष) डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार सहित संबंधित चिकित्सक एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध प्लाटिंग पर प्राधिकरण का बुलडोजर गरजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सचिव विकास प्राधिकरण रायबरेली विशाल यादव के निर्देश पर शहर की कीमती जमीनों पर चला ध्वस्तीकरण अभियान,जोन 2 में शहर के महराजगंज रोड पर 2 बीघा अवैध प्लाटिंग को विकास प्राधिकरण की टीम ने कराया ध्वस्त,

वहीं जोन 6 में शहर के राजस्व ग्राम जैतुपुर में 3 बीघा अवैध प्लाटिंग भी हुई ध्वस्त, कुल 210 प्लाट 5 बीघा की अवैध प्लाटिंग कराई गई

ध्वस्त, ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में जेई निष्ठा साहू,शिव कुंवर सिंह, शिवओम त्यागी, अन्य प्राधिकरण स्टाफ सहित शान्त व्यवस्था बहाल बनी रहे इस हेतु मिल एरिया थाने की पुलिस भी मौजूद रही।

जेएनएम भर्ती के नाम पर 3.50 लाख की ठगी, एक ऑफिस के कर्मी पर एफआईआर, नौकरी का झांसा देकर वसूले पैसे, वाराणसी ले जाकर कराए दस्तावेजों पर साइन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में दर्ज एफआईआर के अनुसार, जेएनएम भर्ती के नाम पर पीड़ितों से करीब 3.50 लाख रुपये वसूले गए। मामले में डीएम ऑफिस से जुड़े एक कर्मी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित अल्ताफ अहमद निवासी नगर, रॉबर्ट्सगंज ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि सरकारी अस्पताल में वार्ड बॉय की नौकरी दिलाने का भरोसा देकर रकम ली गई। एफआईआर के मुताबिक आरोपियों ने मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य विभाग में पहुंच होने का दावा किया था। शिकायत में कहा गया है कि 19 फरवरी 2026 को आरोपी ने पीड़ित से घर पर ही नकद रुपये लिए। इसके बाद वाराणसी के एक अस्पताल में ले जाकर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर भी कराए और जल्द नियुक्ति पत्र मिलने का भरोसा दिया। कुछ दिन बाद पीड़ित को फिर बुलाकर आउटसोर्सिंग के जरिए नियुक्ति की बात कही गई और हर महीने वेतन मिलने का आश्वासन दिया गया। नौकरी न लगने पर रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी।शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओ के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक अमित कुमार सिंह को सौंपी गई है। मामले के उजागर होने के बाद सरकारी नौकरी के नाम पर चल रहे कथित दलाल तंत्र पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह ने और कितने लोगों को शिकार बनाया है। सूत्रों के अनुसार नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से मोटी रकम वसूलने का यह पहला मामला नहीं है। जांच में स्वास्थ्य विभाग और आउटसोर्सिंग भर्ती से जुड़े कई और नाम सामने आ सकते हैं।

13 साल की बेटी हकलाती है,बच्चे मजाक उड़ाते हैं, क्लास में कुछ बोलती नहीं, हमेशा चुप रहती है,कैसे हेल्प करूं

जयपुर। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं इंदौर से हूं। मेरी 13 साल की बेटी हकलाती है। हमने इसे सुधारने की बहुत कोशिश की। डॉक्टरों को दिखाया, स्पीच थेरेपिस्ट के पास गए, लेकिन कोई खास सुधार नहीं हुआ। वो जैसे-जैसे बड़ी हो रही है, अपने बोलने को लेकर बहुत कॉन्शस होती जा रही है। बचपन से ही बच्चे स्कूल में उसका मजाक उड़ाते रहे हैं। इसलिए वह क्लास में भी कुछ नहीं बोलती। अब तो सबसे अलग-थलग और चुपचाप रहने लगी है। हमें समझ नहीं आता कि हम क्या करें। उसे कैसे समझाएं, कैसे सपोर्ट करें। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। सबसे पहले तो मैं यह बताना चाहूंगी कि आप अकेली नहीं हैं। आपकी तरह बहुत से माता-पिता इस स्थिति से गुजरते हैं। हकलाना कोई 'कमजोरी' नहीं है, बल्कि यह एक स्पीच फ्लुएंसी डिसऑर्डर है, जो अक्सर भावनात्मक दबाव, आत्मविश्वास की कमी या न्यूरोलॉजिकल कारणों से जुड़ा होता है। 'द स्टटरिंग फाउंडेशन' के मुताबिक, दुनियाभर में लगभग 1फीसदी यानी 8 करोड़ से ज्यादा लोग हकलाते हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में यह समस्या लगभग चार गुना ज्यादा होती है। करीब 5फीसदी बच्चे उम्र के किसी-न-किसी दौर में

हकलाहट का सामना करते हैं। इनमें से लगभग 75फीसदी बच्चे बड़े होते-होते ठीक हो जाते हैं, जबकि करीब 1फीसदी में यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है। आपकी बेटी अभी टीनएजर है। ये उम्र वैसे भी थोड़ी वलनरेबल होती है। ऐसे में उसका कॉन्शस होना और क्लास में बोलने से बचना बिल्कुल स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। लेकिन अच्छी बात यह है कि सही सपोर्ट और समझदारी से आप इसमें सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। बच्चा रुक-रुककर क्यों बोलता है? बच्चे का रुक-रुककर बोलना सिर्फ एक साधारण बोलने का तरीका भर नहीं है। इसके पीछे कई कारण होते हैं। हर बच्चे में इसकी वजह अलग हो सकती है। कुछ बच्चों में यह डर या झिझक से जुड़ा होता है, तो कुछ में सोचने और बोलने की गति में तालमेल न होने से होता है। कई बार घर का माहौल, पेरेंट्स का व्यवहार और बच्चे के अपने अनुभव भी इस पर असर डालते हैं। इसलिए इस समस्या को समझने के लिए इसके असली कारण तक पहुंचना और उसे समझना जरूरी है। बच्चे पर इसका क्या असर पड़ता है? जिन बच्चों को बोलने में समस्या होती है, वे सोचते हैं- 'मैं ठीक से बोल नहीं पाता/पाती।''लोग मुझे जज करेंगे।' 'सब मेरा मजाक उड़ाएंगे।' 'मेरा चुप रहना ही बेहतर है।' यही सोच धीरे-धीरे बच्चे पर हावी हो जाती है। लंबे समय में उसके मनोविज्ञान पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जो बच्चे हकलाकर बोलते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की होती है कि उन्हें समझा जाए, उन्हें जज न किया जाए और उन्हें सपोर्ट किया जाए। ऐसे में पेरेंट्स का पहला कदम बच्चे को तुरंत सुधारने की कोशिश करना नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराना होना चाहिए। जब बच्चा बिना डर और झिझक के अपनी बात कह पाएगा, तभी उसकी बोलने की फ्लुएंसी धीरे-धीरे अपने आप बेहतर होने लगेगी। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स धैर्य रखें और सही तरीके से उसका साथ दें। नीचे ग्राफिक में

ऐसे ही आसान और एक्शन लेने योग्य टिप्स दिए गए हैं। आइए अब इन पॉइंट्स को विस्तार से समझते हैं- 1. बच्चे की बात ध्यान से सुनें, बच्चे की बात पूरी होने दें। बीच में

उसकी बात खुद पूरी न करें। क्यों जरूरी?

जब बच्चे को बिना जज किए सुना जाता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। फायदा- बच्चा खुलकर बोलता है। झिझक कम होती है। 2. इमोशनल सेफ्टी दें

बच्चे से रोज 10-15 मिनट बिना किसी जजमेंट के बात करें। जब वह बोले तो बीच में टोकने या सुधारने से बचें। उसकी बात पर रिएक्ट करने की बजाय पहले उसे ध्यान से सुनें। 'मैं तुम्हारे साथ हूं,' जैसे भरोसा देने वाले शब्द कहें। उसके डर या शर्म को हल्के में न लें। घर में ऐसा माहौल बनाएं, जहां वह खुलकर बोल सके। क्यों जरूरी? जब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है, तब उसकी झिझक दूर होती है। हकलाने की वजह अक्सर डर और एंग्जाइटी होती है। इमोशनल सेफ्टी मिलने पर धीरे-धीरे सबकुछ सामान्य हो जाता है। फायदा-बच्चा खुलकर अपनी बात रखने लगता है। आत्मविश्वास बढ़ता है। बोलने का डर कम होता है। पेरेंट्स और बच्चे के बीच बॉन्ड मजबूत होता है। हकलाहट धीरे-धीरे कम हो जाती है। 3. कोशिश की तारीफ करें-रिजल्ट की नहीं, कोशिश की तारीफ करें। छोटे-छोटे सुधार को नोटिस करें। पॉजिटिव शब्दों का इस्तेमाल करें। क्यों जरूरी? तारीफ बच्चे को आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करती है।फायदा- आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चा प्रयास करना जारी रखता है। 4. बुलीइंग को इग्नोर न करें स्कूल में बुलीइंग होने पर के लिए पूरा समय दें। बातचीत का माहौल हल्का रखें। क्यों जरूरी? अच्छा कम्युनिकेशन बच्चे को बिना दबाव के खुद को एक्सप्रेस करना सिखाता है। फायदा-स्पीच फ्लुएंसी में सुधार होता है। बच्चा अपनी बात रखने में सहज होता है। क्या डांटने से हकलाना कम होता है?

डांटने या बार-बार सुधारने से हकलाना कम नहीं होता, बल्कि बढ़ जाता है। इससे बच्चे में डर, झिझक और एंग्जाइटी बढ़ती है, जिससे वह बोलने से बचने लगता है। ऐसे में बच्चे को सपोर्ट की ज्यादा जरूरत होती है। पेरेंट्स क्या गलतियां करते हैं? कई बार माता-पिता अनजाने में ऐसी बातें या व्यवहार करते हैं, जो बच्चे की हकलाहट को कम करने की बजाय बढ़ा सकते हैं। ये छोटी-छोटी गलतियां बच्चे के आत्मविश्वास और बोलने की सहजता पर गहरा असर डालती हैं। पेरेंट्स न करें ये गलतियां- बीच में टोकना। जल्दी बोलने के लिए कहना। दूसरों से तुलना करना। मजाक में लेना। बच्चे की बात खुद पूरी कर देना। ओवर-प्रोटेक्ट करना। लोगों के सामने चर्चा करना। डेली रूटीन प्रैक्टिस प्लान-जो बच्चे हकलाकर बोलते हैं, उनके लिए एक डेली प्रैक्टिस

रूटीन बनाना जरूरी है। इससे उनमें जल्द सुधार होगा। इसे नीचे पॉइंटर्स से समझिए-1. ब्रीदिंग एक्सरसाइज (5 मिनट) धीरे-धीरे गहरी सांस लेने को कहें। कुछ सेकेंड बीच में सांस रोककर धीरे-धीरे छोड़ने को बोलें। इसे 5-6 बार रिपीट कराएं। फायदाः बोलते समय एंग्जाइटी कम होगी, दिमाग शांत रहेगा। मिरर प्रैक्टिस (5-7 मिनट)

बच्चे को शीशे के सामने खड़ा करके धीरे-धीरे बोलने को कहें। छोटे-छोटे वाक्य से प्रैक्टिस कराएं। फायदाः सेल्फ अवेयरनेस और कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। लाउड रीडिंग (5-8 मिनट) कोई आसान स्टोरी या किताब जोर से पढ़ने को कहें। इस दौरान जल्दबाजी न कराएं। फायदाः आवाज में क्लैरिटी आएगी। स्कूल टाइम प्रैक्टिस-बोलने के लिए छोटे गोल सेट करने को कहें। जैसे 'प्रेजेंट मैम' बोलना। फायदाः छोटी-छोटी जीत से कॉन्फिडेंस बनता है। बुलीइंग रिस्पॉन्स प्रैक्टिस

बच्चे को 2-3 सिंपल जवाब सिखाएं। जैसे- 'मुझे बोलने में समय लगता है, लेकिन मैं बोल सकता हूं।' 'तुम हंसो मत, ये ठीक नहीं है।' फायदाः इससे बच्चा हेल्पलेस नहीं, इम्पावर्ड महसूस करता है। फ्री टॉक टाइम (10 मिनट) बच्चे से पूछें- 'आज स्कूल में क्या हुआ?' बिना टोके उसकी बात पूरी सुनें। फायदाः यह इमोशनल रिलीज और फ्लुएंसी दोनों के लिए जरूरी है। स्टोरीटेलिंग गेम (5-10 मिनट) एक छोटी कहानी बनाने को कहें। आप भी साथ में पार्टिसिपेट करें। फायदाः फन और प्रैक्टिस दोनों होता है। एंग्जाइटी कम होती है। रोल प्ले (5-10 मिनट) एक्टिंग करें। जैसे टीचर-स्टूडेंट या दुकान वाला-ग्राहक।

फायदाः इससे रियल लाइफ सिचुएशंस की प्रैक्टिस हो जाती है। पॉजिटिव रीइन्फोर्समेंट (रात में 10 मिनट) दिन में जो भी छोटा इम्प्रूवमेंट हुआ, उसकी तारीफ करें। कहें- 'तुमने आज बहुत अच्छे से कोशिश की।' फायदाः डर, शर्म और झिझक दूर होती है। अंत में यही कहूंगी कि हकलाना कोई कमी नहीं है।

इसे समझ और सही सपोर्ट से काफी हद तक ठीक किया जा सकता है। इस स्थिति में बच्चे को बदलने की नहीं, उसे स्वीकार करने और उसका आत्मविश्वास बढ़ाने की जरूरत होती है। इसके लिए सबसे जरूरी है, घर का माहौल सुरक्षित, धैर्यपूर्ण और पॉजिटिव हो।

बेटे की कब्र पर जाकर रो पड़ीं सेलिना जेटली,सफाई की, तलाक की सुनवाई के लिए ऑस्ट्रिया गईं, कहा- मुझे बच्चों से मिलने नहीं दिया

मुंबई। एक्ट्रेस सेलिना जेटली के लिए बीते कुछ महीने बेहद तकलीफदेह रहे। भाई की यूएई में गिरफ्तारी से लेकर तलाक की प्रोसेस। अब एक्ट्रेस के तलाक की हियरिंग भी शुरू हो चुकी है, जिसके सिलसिले में वो इन दिनों ऑस्ट्रिया में हैं। यहीं उनके बेटे की कब्र भी है। ऑस्ट्रिया में एक्ट्रेस अपने बेटे की कब्र पर गईं और फूट-फूटकर रोती दिखीं। सेलिना जेटली ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से कब्रिस्तान का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें लिखा था, 'तलाक की हियरिंग के लिए ऑस्ट्रिया में बीते पिछले 2 हफ्ते बेहद ब्रूटल थे। जिस इकलौते बच्चे से मैं मिल पाई वो था दिवंगत शमशेर। जज के सामने पेश होने के बावजूद मेरे बच्चे घर नहीं लाने दिए गए।' 'मुझे मेरे 3 बच्चों को देखने भी नहीं दिया गया। जिन्हें मैंने जन्म दिया और जिनके लिए मैंने कुर्बानियां दीं। मेरे बच्चों को बहकाया जा रहा है और मेरे खिलाफ किया जा रहा है, मेरे बचे हुए प्री मैरिटल एसेट्स को छीनने लेने के लिए। आशा है मुझे चोट पहुंचाने से उसे राहत मिले, दुर्भाग्य से ये सारी चीजें हमारे बच्चों के लिए हमेशा के लिए एक जख्म बन जाएंगी।' इस वीडियो के अलावा कैप्शन में सेलिना ने लिखा है, 'मेरे पास दुनिया को अपना एक मां के रूप में दर्द दिखाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा था, इसलिए मुझे यह दिल तोड़ देने वाला वीडियो शेयर करना पड़ा। पिछले कुछ हफ्ते मेरी जिंदगी के सबसे मुश्किल दिनों में से रहे। मैं अपने तलाक की सुनवाई के लिए ऑस्ट्रिया में थी। ऑस्ट्रिया की अदालत में दिए गए

वादे के बावजूद, मेरे बच्चों को, जिन्हें एक सीक्रेट जगह पर ले जाया गया था, वापस घर नहीं लाया गया।' आगे उन्होंने लिखा, 'मुझे सिर्फ अपने दिवंगत बेटे शमशेर से मिलने दिया गया, जिसका कुछ समय पहले निधन हो चुका है। यह एक ऐसी मां की दर्दभरी कहानी है, जिसने अपने बच्चों के लिए उनके जन्म से ही सब कुछ किया। मैंने अपना देश, अपने माता-पिता और अपना काम छोड़ दिया, और अपने पति के करियर को सहारा देने के लिए भारत से दुबई, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया, फिर दुबई और दोबारा ऑस्ट्रिया तक शिफ्ट होती रही।' 'मैंने अकेले अपने बच्चों की परवरिश की और हर कदम पर अपने पति के सपनों, करियर और हमारी बनाई जिंदगी का साथ दिया। लेकिन शादी और बच्चों के लिए अपनी पूरी जिंदगी समर्पित करने के बदले में, मैंने अपनी संपत्ति को एक-एक करके छिनते हुए देखा और बहुत अपमान और अत्याचार सहा।' आगे सेलिना लिखती हैं, 'मैंने कई बार कानूनी और ईमानदार तरीके से आपसी सहमति से अलग होने की कोशिश की, लेकिन हर बार मेरी शादी से पहले की बची हुई संपत्ति पर अनुचित मांगें रखी गईं। ऑस्ट्रिया की फैमिली कोर्ट के संयुक्त कस्टडी आदेश के बावजूद, आज मुझे अपने तीनों बच्चों से बात करने तक की अनुमति नहीं है, और इससे मेरा दिल टूट चुका है। बार-बार मेरे बच्चों को मुझसे दूर रखने की कोशिश की गई। उन्हें एकतरफा मीडिया बातें दिखाई गईं, ताकि वे मुझसे सामान्य रूप से बात न कर सकें। इतना ही नहीं, उन्हें मेरे खिलाफ बोलने के लिए मानसिक रूप से प्रभावित और डराया भी गया, जबकि मैंने एक मां के रूप में हमेशा सिर्फ उनका ख्याल रखा है।' सेलिना ने ये भी कहा है कि उन्हें धोखे में रखते हुए तलाक का नोटिस दिया गया। और अब उनकी शादी से पहले की संपत्ति छीनने की कोशिश की जा रही है। अपनी पोस्ट में सेलिना ने लिखा, 'सितंबर की शुरुआत में, मेरे पति ने मुझे तलाक का नोटिस दिया। बहाना यह बनाया गया कि हमारी 15वीं शादी की सालगिरह के लिए मंगवाया गया एक गिफ्ट पोस्ट ऑफिस से लेना है, और वे खुद मुझे वहां लेकर गए थे।' 'मैंने बार-बार बच्चों की भलाई को सबसे ऊपर रखते हुए शांति और आपसी समझदारी से अलग होने की कोशिश की। लेकिन हर बार मेरी शादी से पहले की संपत्ति को लेकर मांगें और ऐसी शर्तें रखी गईं, जिनका मकसद तलाक के बाद भी मेरी आजादी और सम्मान छीनना था।

'दो बार जुड़वां बच्चों को दिया जन्म-बता दें कि सेलिना जेटली ने 2010 में पीटर हाग से शादी की थी। सेलिना ने 2012 में जुड़वां बच्चों

को जन्म दिया था। 5 साल बाद उन्हें फिर जुड़वां बच्चे हुए, जिनमें से एक की हाइपोप्लास्टिक हार्ट कंडीशन के चलते मौत हो गई। फिलहाल सेलिना के तीन बच्चे विंस्टन, विराज और आर्थर हैं। बीते साल सितंबर में सेलिना के पति ने अचानक उन्हें तलाक दे दिया, जिसके बाद सेलिना ने नवंबर 2025 में पति के खिलाफ मारपीट और घरेलु हिंसा की शिकायत दर्ज करवाई है।

फिल्म बंदर का टीजर रिलीज,रेट्रो लुक में दिखे बॉबी,असल घटना पर आधारित,अनुराग कश्यप ने की डायरेक्ट-5 जून को आएगी

मुंबई। बॉबी देओल की अपकमिंग फिल्म बंदर का टीजर जारी हो चुका है। 1 मिनट 29 सेकंड के टीजर में बॉबी देओल समर

नाम के पहचान खो रहे एक्टर के किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसकी जिंदगी एक केस से हमेशा के लिए बदल जाती है। टीजर की शुरुआत 70 के दशक के डिस्को अवतार से रिमैजिन रेट्रो स्टाइल सॉन्ग 'कम ऑन बेबी, दिल किसको देगी' से होती है। इसके बाद बॉबी देओल के किरदार का परिचय होता है। बॉबी ने समर नाम के एक ऐसे एक्टर का किरदार निभाया है, जो किसी जमाने में स्टार था और अब पहचान बनाए रखने के लिए जद्दोजहद कर रहा है। बदलते दौर में अब समर शादियों में परफॉर्म करता है, जिसके बाद एक-एक कर फिल्म के दूसरे किरदारों का परिचय होता है। सबा आजाद ने फिल्म में बॉबी देओल की डेट का रोल निभाया है। सपना पब्बी उनकी एक्स के रोल में हैं। टीजर में ट्विस्ट तब आता है जब एक रोज अचानक समर की गिरफ्तारी होती है। टीजर में कुछ जेल सीन और कोर्ट के सीन भी शामिल किए गए हैं। फिल्म की कहानी समर के इर्द-गिर्द है, जो संगीन आरोप लगने के बाद खुद को बेगुनाह साबित करने की मशक्कत करता है। यहां से जो सामने आता है, वो उस कहानी की झलक है जो शुरुआत में दिखने वाली चीजों से कहीं ज्यादा बड़ी और उलझी हुई है। इस फिल्म को देव डी, ब्लैक फ्राइडे, अगली और गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्में बना चुके अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। ये बॉबी और अनुराग की पहली फिल्म है। फिल्म में बॉबी देओल, सपना पब्बी, सबा आजाद के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी और रिद्धी सेन जैसे एक्टर्स भी हैं। असल घटना पर आधारित है फिल्म बंदर-फिल्म बंदर भारत में हुई एक असल घटना पर आधारित है। फिल्म का लेखन सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने मिलकर किया है, जो पाताल लोक, कोहरा और उड़ता पंजाब जैसी बेहतरीन कहानियों के पीछे की मशहूर जोड़ी है। अनुराग कश्यप के डायरेक्शन और निखिल द्विवेदी की 'सैफरन मैजिकवर्क्स' के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म जी स्टूडियोज के सपोर्ट के साथ 5 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आलिया को घिरता देख रणबीर कपूर पैपराजी पर भड़के,धक्का-मुक्की बढ़ी तो एक्टर नाराज दिखे, फोटोग्राफर्स को पीछे हटाया

मुंबई। बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर एक बार फिर वायरल वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। इस बार रिद्धिमा कपूर साहनी भी नजर आईं। कई बॉलीवुड सितारों ने भी स्क्रीनिंग में शिरकत की।वर्कफ्रंट

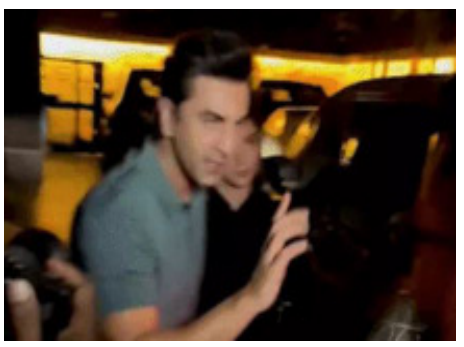

मामला पैपराजी से जुड़ा है। मुंबई में फिल्म 'दादी की शादी' की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान रणबीर फोटोग्राफर्स पर नाराज नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रणबीर पत्नी आलिया भट्ट के साथ स्क्रीनिंग में पहुंचे थे। यह इवेंट उनकी मां नीतू कपूर की फिल्म 'दादी की शादी' के लिए रखा गया था। जैसे ही दोनों वेन्यू से बाहर निकले, पैपराजी ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। वीडियो में भीड़ और कैमरों की धक्का-मुक्की से रणबीर असहज दिखे। वायरल क्लिप में रणबीर पैपराजी से पीछे हटने और दूरी बनाए रखने को कहते दिख रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा है कि अभिनेता ने आपा खो दिया। कई फैंस का मानना है कि रणबीर आलिया को भीड़ से बचाने की कोशिश कर रहे थे। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हैं। कई यूजर्स ने रणबीर का समर्थन करते हुए लिखा कि सेलिब्रिटीज की भी पर्सनल स्पेस होती है और पैपराजी को सीमाएं समझनी चाहिए। कुछ लोगों ने अभिनेता के व्यवहार को ओवररिएक्शन बताया। यह स्क्रीनिंग फिल्म 'दादी की शादी' की रिलीज से पहले रखी गई थी। इसमें कपूर परिवार के कई सदस्य शामिल हुए। इवेंट में रणबीर की बहन की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों अपनी बहुचर्चित फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया भट्ट 'अल्फा', 'लव एंड वॉर' और 'तुम्बाड 2' जैसे प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।